• जयपुर, सोमवार 20 जुलाई 26 • वर्ष 15 • अंक 262 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

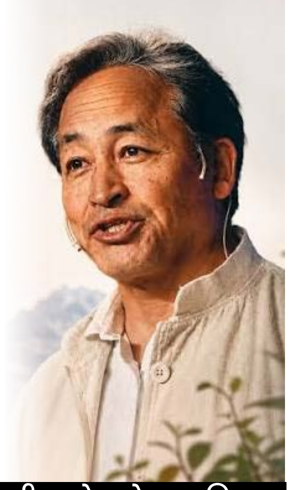

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 की मौत

बाढ़ में बहीं 250 गाडियां, 1992 जैसी तबाही से हाहाकार

राजौरी/एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में रातभर हुई बारिश ने बाढ़ जैसे हालात कर दिए हैं। यहां कम से कम 1 1 लोगों की मौत हो गई है और कई लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सुरनकोट में हुआ है, जहां एक ही परिवार के 8 सदस्यों समेत 9 लोगों की जान चली गई है। 2 साल के बच्चे का शव बरामद किया गया है। हवेली में एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई लापता हैं। पुंछ में एक घर गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई है। राजौरी में भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई है। पुंछ के हवेली इलाके में खराब मौसम के कारण सात घर क्षतिग्रस्त हो गए। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया है। न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में पानी भरने से 200 से 250 वाहन बह गए हैं। पिछले 24 घंटे में रियासी में सबसे ज्यादा 106 मिलीमीटर बारिश हुई है। इसके बाद राजौरी (103 मिलीमीटर), उधमपुर (101.6 मिलीमीटर), कटरा (85 मिलीमीटर), पुंछ (77 मिलीमीटर) और बटोटे (57.5 मिलीमीटर) का स्थान रहा। राजौरी की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के करीब या उससे ऊपर बह रही हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं हालात पर बारीकी से नजर रख रहा हूं। मैं स्थानीय विधायकों के संपर्क में हूं। प्रशासन की पहली प्राथमिकता कीमती जानें बचाना है।

सीएम उमर अब्दुल्ला की हालात पर नजर, 23 जुलाई तक हाई अलर्ट

इस भीषण तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थिति पर चिंता जताते हुए हालात की निगरानी शुरू कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि ऐसे वक्त में प्रशासन की सबसे पहली प्राथमिकता कीमती जानें बचाना है। मुख्यमंत्री लगातार स्थानीय विधायकों के संपर्क में हैं और प्रभावित लोगों तक हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है। वहीं, मौसम विभाग ने 19 से 23 जुलाई के बीच जम्मू संभाग के कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की है। जम्मू, कठुआ, सांबा, राजौरी, डोडा, रामबन और किश्तवाड़ जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि प्रमुख नदियों और पहाड़ी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने लोगों से बेवजह यात्रा न करने और जल स्त्रोतों से दूर रहने की सख्त अपील की है।

● बस स्टैंड बना दरिया, तिनके की तरह बह गईं 250 कारें

राजौरी के बेला बस स्टैंड इलाके में तड×के करीब तीन बजे कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया कि पूरे इलाके का नामोनिशान ही मिट गया। जलस्तर अचानक बढने् से बस स्टैंड का निचला हिस्सा पूरी तरह जलमग्न हो गया और वहां खड़ी 200 से 250 कारें पानी के तेज बहाव में बह गईं। सोशल मीडिया पर इस खौफनाक तबाही के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें गाडियां पानी में तैरती और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त नजर आ रही हैं। पानी का वेग इतना ज्यादा था कि इलाके के दो मकान पूरी तरह से ढह गए और एक महिला के पानी में बहने से लापता होने की भी खबर है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह खौफनाक सैलाब बादल फटने जैसी घटना के कारण आया है।

● घरों और दुकानों में घुसा सैलाब, जिंदगी भर की कमाई बर्बाद

बाढ़ का पानी शहर के कई रिहायशी इलाकों और मुख्य बाजारों में घुसने से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोगों के घरों में रखा कीमती सामान और दुकानों में रखा माल पानी में डूबकर पूरी तरह खराब हो गया है। सड़कों पर नालियों का पानी उफान मारने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों का घर से निकलना भी दुश्वार हो गया है। अपनी आंखों के सामने घरों को उजड़ते देख चुके प्रभावित लोगों का कहना है कि उनकी जिंदगी भर की पूंजी इस बाढ़ में बह गई है और अब उनके पास कुछ नहीं बचा है। स्थानीय दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों से पानी और कीचड़ निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। लोगों ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने की गुहार लगाई है।

ताजा खबर

मंगल पांडे की जयंती पर प्रधानमंत्री ने किया नमन

● कहा– उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को करती रहेगी प्रेरित

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महान क्रांतिकारी और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को नमन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मातृभूमि के स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा के लिए मंगल पांडे ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया और उनका प्रेरणादायी जीवन आज भी प्रत्येक भारतीय को गर्व से भर देता है।
प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि महान क्रांतिकारी मंगल पांडे को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र के सम्मान के लिए मंगल पांडे का त्याग भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका साहस, अदम्य वीरता और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढियों को निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंगल पांडे ने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का जो बिगुल फूंका, उसने देशभर में स्वतंत्रता की चेतना का संचार किया। मातृभूमि के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को देश सदैव कृतज्ञता और सम्मान के साथ स्मरण करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत मंगल पांडे का जीवन प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके आदर्श युवाओं में देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को निरंतर मजबूत करते रहेंगे।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की जांच की मांग, खरगे-राहुल ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। दोनों नेताओं ने ट्रस्ट के खातों और श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।
प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ट्रस्ट से जुड़े वित्तीय मामलों को लेक- र सामने आई खबरों ने लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के साथ दिए गए दान के उपयोग को लेकर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।
पत्र में उल्लेख किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद संसद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की गई थी, जबकि इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार की ओर से की गई थी। ऐसे में ट्रस्ट के कार्यों और वित्तीय प्रबंधन को लेकर सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। खरगे और राहुल गांधी ने मांग की है कि ट्रस्ट के सभी वित्तीय लेनदेन, नकद दान, सोना, चांदी तथा अन्य चढ़ावे के उपयोग की स्वतंत्र एजेंसी से व्यापक जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट और ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक किया जाए ताकि प्रत्येक श्रद्धालु यह जान सके कि उसके द्वारा दिया गया दान किस उद्देश्य से और किस प्रकार खर्च किया गया। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि यदि जांच में किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, चाहे उसका पद या प्रभाव कुछ भी हो।

पूरी दुनिया में पहुंची भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अग्रणी राष्ट्र बन रहा भारत

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

● मुख्यमंत्री ने किया हनुमान कथा का श्रवण

चमकता राजस्थान

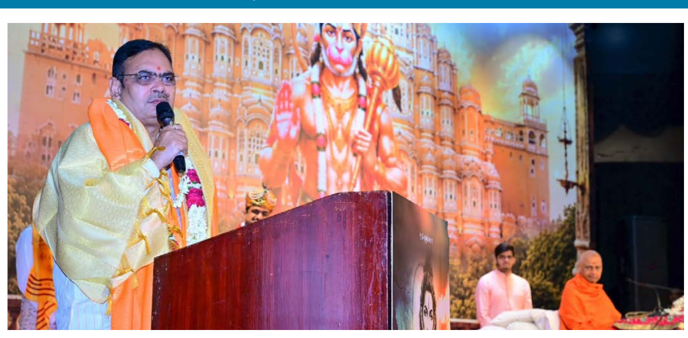

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है।
कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चा-रों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया। हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभिजीत दीपके की प्रस्तावित भूख हड़ताल से परिवार चिंतित

नई दिल्ली/छत्रपति संभाजीनगर/एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच अभिजीत दीपके की प्रस्तावित भूख हड़ताल को लेकर उनके परिवार ने गहरी चिंता व्यक्त की है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रह रहे उनके माता-पिता ने बेटे की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए सरकार के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं।
अभिजीत के पिता भगवानराव दीपके ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनकी बेटे से फोन पर बातचीत हुई थी। उनके अनुसार, अभिजीत ने बताया कि पुलिस ने प्रदर्शन स्थल से सोनम वांगचुक को हटा दिया है और प्रदर्शनकारियों को भी शांत रहने के लिए कहा गया है।

स्वस्थ भारत का संदेश : मनसुख मांडविया ने 'संडे ऑन साइकिल' में लिया हिस्सा

नई दिल्ली/एजेंसी।

देशभर में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत रविवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने साइकिल चालकों के साथ साइकिल चलाकर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया।
इस अवसर पर मनसुख मांडविया ने कहा कि आज के 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। 'संडे ऑन साइकिल' का 82वां संस्करण है।

बहुविवाह पर असम सरकार सख्त, सरकारी नौकरी और योजनाओं पर लग सकती है रोक: हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी/एजेंसी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बहुविवाह के खिलाफ राज्य सरकार के सख्त रुख को दोहराते हुए कहा है कि बहुविवाह जैसे अपराध और सरकारी नौकरी एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह की प्रथा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।
मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि राज्य की बहनों और बेटियों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग बहुविवाह जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे, उनके खिलाफ कानून के अनुसार

रिलीज से पहले ही बिक गए 40 हजार टिकट, सीएम थलपति विजय की 'जन नेता' का बॉक्स ऑफिस पर तूफान

नई दिल्ली/एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सुपरस्टार थलपति विजय की मोस्ट अवेटेड और आखिरी फिल्म 'जन नेता' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार 'जन नेता' को सिनेमाघरों में दस्तक देने में अब महज 3 दिन का समय बचा है। 23 जुलाई 2026 को रिलीज होने जा रही इस फिल्म का बज इतना तगड़ा है कि एडवांस बुकिंग पूरी तरह से शुरू होने से पहले ही इसने टिकट बिक्री के नए रिक- ॉर्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। फैंस अपने चहेते सितारे को आखिरी बार बड़े पर्दे पर देखने के लिए पूरी तरह से बेताब हैं।

फिल्म में जोड़े गए नए सीन, नजर आएगी सितारों की फौज

» एच. विनोथ के शानदार निर्देशन में और केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मनोरंजन का पूरा डोज मिलने वाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने दर्शक- ों के रोमांच को दोगुना करने के लिए रिलीज से ठीक पहले फिल्म में कुछ नई फुटेज और गाने भी जोड़े हैं। स्टारकास्ट की बात करें तो 'जन नेता' में थलपति विजय के साथ पूजा हेगड़े, ममिता बैजू और बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। वहीं, फिल्म का दमदार संगीत मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जो पहले ही फैंस के सिर चढ×कर बोल रहा है।

● सीमित एडवांस बुकिंग में ही बुक माय शो पर मचा तहलका

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते शनिवार को फिल्म की एडवांस बुकिंग को सीमित (लिमिटेड) तौर पर खोला गया था। सीमित बुकिंग होने के बावजूद फैंस का क्रेज इस कदर हावी था कि देखते ही देखते 'बुक माय शो' पर 40 हजार से ज्यादा टिकट बिक गए। आज यानी रविवार, 19 जुलाई से पूरे देश में फिल्म की एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है, जिसके बाद टिकटों की बिक्री में और भी भारी उछाल आने की पूरी उम्मीद है।

● सेंसर बोर्ड की हरी झंडी के बाद अब तीन भाषाओं में मचेगा धमाल

आपको बता दें कि थलपति विजय की यह बहुप्रतीक्षित फिल्म पहले इसी साल जनवरी के महीने में ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिलने में हो रही देरी के कारण फिल्म की रिलीज लगातार अटकती जा रही थी। अब तमाम रुकावटों को पार करने के बाद 'जन नेता' आखिरकार एक ग्रैंड रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। यह ब्लॉकबस्टर फिल्म अपने मूल तमिल वर्जन के साथ-साथ तेलुगु और हिंदी भाषा में भी देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पार कर रहा था झुंड, तभी आ गई तेज रफ्तार ट्रेन

नागपुर में कटकर 6 हिरणों की दर्दनाक मौत

नागपुर/एजेंसी।

नागपुर के कन्हान इलाके में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां तड़के रेलवे ट्रैक पार कर रहे हिरणों का एक झुंड अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे छह हिरणों की मौके पर ही कटकर जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस(दर्दनाक) घटना से इलाके में वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में काफी निराशा है।
प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शनिवार तड़के 4 से 5 बजे के बीच नागपुर जिले के कन्हान रेलवे स्टेशन के पास स्थित तुकाराम नगर इलाके में हुई। तड×के के अंधेरे में हिरणों का एक बड़ा झुंड मुंबई-हावड़ा मेन लाइन से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेन उस ट्रैक से गुजरी और जानवर खुद को बचा नहीं पाए। कन्हान पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस भीषण टक्कर में जिन छह हिरणों की मौत हुई है, उनमें पांच मादा और एक नर हिरण शामिल है।

संपादकीय

नागरिकता और एसआईआर

नागरिकता को लेकर देश में भ्रम फैला हुआ है। सवाल किए जाते रहे हैं कि आखिर नागरिक होने का अंतिम और स्पष्ट प्रमाण-पत्र क्या है? जिन लोगों के नाम एसआईआर में नहीं आ पाए हैं, उनके बारे में कहा गया कि वे देश के नागरिक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में से नाम हटने से किसी की नागरिकता नहीं जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वह बिहार एसआईआर पर अपने फैसले में ही यह बात स्पष्ट कर चुका है। भ्रम इतना है कि पश्चिम बंगाल सरकार ऐसे लोगों का नाम कल्याणकारी योजनाओं से काट रही है और उन्हें इसके लाभ से वंचित किया जा रहा है, जिनका नाम एसआईआर में नहीं आया है। मतलब बंगाल सरकार मान कर चल रही है कि जिन लोगों के नाम एसआईआर में नहीं आया है, वे देश के नागरिक नहीं हैं। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया है कि चुनाव आयोग नागरिकता तय करने के लिए अधिकृत नहीं है, तो यह भ्रम दूर हो जाना चाहिए कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना है। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट को सही करने, चुनाव का प्रबंधन करने तक सीमित है, सीमित होना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का साफ कहना है कि आर्टिकल 9, 10, 11 और 12 के संबंध में चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। चुनाव आयोग का नियंत्रण मतदाता सूची पर है। वह किसी को नहीं शामिल करने का फैसला ले सकता है। लेकिन इससे नागरिकता का दर्जा अपने आप खत्म नहीं हो जाता। बंगाल सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अन्नपूर्णा जैसी योजनाओं का लाभ उन लोगों को देने से मना करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किए हैं, जिनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। दावा किया गया कि उन लोगों को जाति सर्टिफिकेट भी नहीं दिए जा रहे हैं। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है और जब ऐसा नहीं है तो कोई भी सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं कर सकती। उम्मीद की जानी चाहिए कि बंगाल सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं का फायदा देना शुरू करेगी। क्या यह अजब गजब नहीं है कि बंगाल सरकार ने खुद ही मान लिया कि एसआईआर में नाम न होने का मतलब नागरिकता खत्म हो जाना है?

> यह भ्रम दूर हो जाना चाहिए कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है। नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग को नहीं है।

पाठकवाणी

मेरठ नगर निगम की हो जांच

अखबारों में पढ़ा कि मेरठ में पिछले 18 महीनो में मेरठ नगर निगम ने 1000 करोड़ रुपये नालों की सफाई और सड़कों पर खर्च किए। फिर भी जरा सी बरसात ने मेरठ को पूरा तालाब बना दिया। कूड़ा भरे हुए नालों और सड़कों के गड्ढों में लोग गिरने और जख्मी होने लगे। अच्छे खासे पक्के बने हुए नालों की सफाई ना करके तोड़कर दोबारा बनाया जा रहा है, क्योंकि भ्रष्टाचार करना है। नालों-नालियों पर हुआ अतिक्रमण नहीं हटाना है, क्योंकि व्यापारियों को खुश रखना है, नेताओं को खुश रखना है और उनसे पैसा भी खाना है। हजार करोड़ रुपये 18 महीना में खर्च किए यानी लगभग 58 लाख रुपए प्रति महीना। सवाल यह है कि यह 1000 करोड़ रुपए गए कहां? क्या नगर निगम के नगर आयुक्त, मेयर, पार्षदों, कर्मचारियों, ठेकेदारों की जेब में गए? हम राज्य सरकार से मांग करते हैं मेरठ के नगर निगम की कार्य प्रणाली पर जांच बैठाए। इस खर्चे की प्रमाणिकता की जांच करे। दोषियों की पकड़ उनसे खर्च किए हुए भ्रष्टाचार के पैसों की वसूली करे। नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। लगभग सभी कर्मचारी भ्रष्ट हैंऔर वर्षों से एक ही सीट पर जमे हुए हैं। इन सब अधिकारियों और कर्मचारियों को मेरठ से बाहर दूर स्थान पर ट्रांसफर किया जाए। किसी भी कर्मचारी को एक साल से अधिक एक सीट पर ना रहने दिया जाए। जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र की समस्या हो या जलकर, गृहकर की सभी के लिए जनता परेशान है। क्योंकि नगर निगम का हर कर्मचारी महान है।

सोशल मीडिया

ट्रैफिक और देहरादून का परेड ग्राउंड

मैंने देहरादून के ट्रैफिक से पूछा, 'भाई, तुम बड़े पक्षपाती निकले।' ट्रैफिक बोला, 'क्यों? मैंने क्या कर दिया?' मैंने कहा, 'तुम्हारी वजह से राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की अनुमति रद्द हो गई। सरकार कह रही है कि वीकेंड पर परेड ग्राउंड में कार्यक्रम हुआ तो घंटाघर से लेकर राजपुर रोड तक जाम लग जाएगा।' ट्रैफिक पहले तो जोर से हंसा, फिर बोला, 'लगता है सरकार ने मेरा नाम इस्तेमाल कर लिया। मैं तो बेचारा सड़क पर जाम लगाता हूं, ये लोग दिमाग में जाम लगा रहे हैं।' मैंने कहा, 'लेकिन सरकार तो तुम्हारी बड़ी चिंता कर रही है।' ट्रैफिक बोला, 'अच्छा! फिर तो मुझे भी अपनी पुरानी डायरी निकालनी पड़ेगी। उसमें मैंने उन दिनों का हिसाब लिखा है जब इसी परेड ग्राउंड में बड़े-बड़े नेता आए थे।' उसने डायरी खोली। पहला पन्ना था... 18 मार्च 2017, शनिवार...स्थानः परेड ग्राउंड, त्रिवेंद्र सिंह रावत का मुख्यमंत्री पद का भव्य शपथ ग्रहण समारोह और लाखो लोगों की जनसभा। दूसरे पन्ने पर... 5 अप्रैल 2019, शुक्रवार। स्थानः परेड ग्राउंड, प्रधानमंत्री की चुनावी सभा। लाखों लोग। गाड़ियों की कतारें। इतनी भीड़ की अगले चार दिन तक सोशल मीडिया और सभी अखबारें 'अपार जनसैलाब' से भरी रहीं। मैंने पूछा, 'उस दिन कहां थे तुम?' ट्रैफिक बोला, 'मैं वहीं था, लेकिन उस दिन मेरा नाम बदलकर 'ऐतिहासिक जनसमर्थन' रख दिया गया था।' उसने तीसरा पन्ना पलटा... 30 अक्टूबर 2021, शनिवार... स्थानः परेड ग्राउंड, तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सहकारिता घसियारी कल्याण योजना के शुभारंभ के मौके पर परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा। चौथे पन्ने पर... तारीख थी 4 दिसंबर 2021, शनिवार। वही वीकेंड, वही परेड ग्राउंड, वही देहरादून। प्रधानमंत्री की महा जनसभा। मैंने पूछा, 'उस दिन तो शनिवार भी था?' वह बोला, 'हां, लेकिन शनिवार सत्ता पक्ष का था। इसलिए मैं जाम नहीं, विकास कहलाया।' पांचवे पन्ने पर... 12 फरवरी 2022, शनिवार... स्थानः परेड ग्राउंड, विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर के प्रचार के लिए भाजपा के फायरब्रांड नेता और स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ की परेड ग्राउंड में बेहद चर्चित जनसभा।

मॉनसून नहीं सिस्टम है समस्या

जैसे-जैसे जलवायु की चरम स्थितियां सामान्य होती जा रही हैं, भारत के शहरों के सामने एक निर्णायक विकल्प है। वे हर मानसून को एक अप्रत्याशित आपदा मानते हुए उसी पुराने ढर्रे पर चलते रह सकते हैं, या फिर इसे शहरी शासन और बुनियादी ढांचे की वार्षिक परीक्षा के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वास्तविक लचीलापन केवल चौड़ी सड़कें या बड़े नाले बनाने से नहीं आता।

हर मानसून में भारत के शहर एक जैसी कहानी दोहराते हैं। तेज बारिश की पहली बौछार पड़ते ही सड़कें पानी में डूब जाती हैं, लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, वाहन खराब हो जाते हैं और सोशल मीडिया जलमग्न सड़कों, उफनती नालियों तथा धंसती सड़कों की तस्वीरों से भर जाता है। पानी उतरने के बाद सरकारें जांच के आदेश देती हैं, संबंधित एजेंसियां सुधार के वादे करती हैं और अस्थायी मरम्मत शुरू हो जाती है, लेकिन अगले मानसून तक वही स्थिति फिर सामने आ जाती है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर (नेशनल केपिटल रीजन) में हुई भारी वर्षा ने एक बार फिर भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। दिल्ली में प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और अनेक रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। गुरुग्राम -जो वर्षों से मानसून के दौरान जलभराव के लिए कुख्यात रहा है-में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स एक्स्टेंशन रोड, हीरो होंडा चौक और सोहना रोड जैसे प्रमुख मार्ग पानी में डूब गए, जिससे देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में से एक लगभग ठहर गया।

नोएडा में अंडरपास जलमग्न हो गए, नालियां उफनने लगीं और भीषण जाम लग गया। वहीं गाज़ियाबाद और फरीदाबाद में कई कॉलोनियां पानी में डूब गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं और लोगों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हुई। एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के बाद सड़कें धंस गईं, जिसने केवल निर्माण की खामियों को ही नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, इंजीनियरिंग और रखरखाव की गहरी संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। ये बार-बार होने वाली विफलताएं केवल असामान्य रूप से अधिक वर्षा का परिणाम नहीं हैं। ये इस बात के संकेत हैं कि भारतीय शहरों की योजना, शासन व्यवस्था, वित्तपोषण और रखरखाव की पूरी प्रणाली में गंभीर संरचनात्मक कमियां मौजूद हैं। अब बहस इस बात पर नहीं रह गई है कि जलवायु परिवर्तन अत्यधिक वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ा रहा है या नहीं-यह निर्विवाद सत्य है। प्रश्न यह है कि क्या हमारे शहर इस नई जलवायु वास्तविकता के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त गति से ढाल पा रहे हैं? उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि ऐसा नहीं हो रहा है।

भारत के अधिकांश शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण उन ऐतिहासिक वर्षा पैटर्न के आधार पर किया गया था, जो आज की जलवायु परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर, तीव्र शहरीकरण ने मिट्टी और हरित क्षेत्रों की जगह कंक्रीट बिछा दिया है, जिससे भूजल का पुनर्भरण कम हुआ है और वर्षा जल का बहाव कई गुना बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में झीलें, आर्द्रभूमियां, गांवों के तालाब और प्राकृतिक जलनिकासी मार्ग या तो अंधाधुंध शहरी विस्तार की भेंट चढ़ गए हैं या फिर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं कि वे अपना प्राकृतिक कार्य नहीं कर पा रहे हैं। जो पानी पहले प्राकृतिक रूप से बाढ़ क्षेत्रों में फैल जाता था, वह अब घनी आबादी वाले कंक्रीट के जंगलों में फंस जाता है। नतीजा स्पष्ट है-जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने के लिए कोई जगह नहीं बचती। फिर भी केवल जलवायु परिवर्तन यह नहीं समझा सकता कि हर वर्ष वही दृश्य क्यों दोहराए जाते हैं।

इसके लिए शासन व्यवस्था की विफलताएँ भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। एनसीआर संस्थागत विखंडन का एक स्पष्ट उदाहरण है। केवल दिल्ली में ही नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली जल बोर्ड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तथा कई अन्य एजेंसियां शहरी बुनियादी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों की जिम्मेदारी संभालती हैं।

दिल्ली के बाहर गुरुग्राम, नोएडा, गाज़ियाबाद और फरीदाबाद अलग-अलग नगर निकायों, विकास प्राधिकरणों और राज्य सरकारों के विभागों द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन वर्षा का पानी प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानता। इसके परिणाम हर जगह दिखाई देते हैं। सड़कों का पुनर्निर्माण भूमिगत उपयोगिताओं के साथ समन्वय किए बिना कर दिया जाता है। नालियां आगे के बड़े जल निकासी नेटवर्क से जुड़े बिना ही समाप्त हो जाती हैं। बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं व्यापक जल-विज्ञान (हाइड्रोलॉजी) अध्ययन के बिना शुरू कर दी जाती हैं। रखरखाव की जिम्मेदारियां कई एजेंसियों में बंटी होने के कारण बाढ़ आने पर जवाबदेही भी बिखर जाती है।

भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की सबसे कमजोर कड़ी उसका रखरखाव है। राजनीतिक प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार और स्मार्ट सिटी जैसी दिखाई देने वाली परियोजनाओं पर केंद्रित रहती हैं। इसके विपरीत मानसून से पहले नालों की सफाई, रिटेनिंग वॉल की जांच, पुलियों की मरम्मत, भूमिगत उपयोगिताओं का मानचित्रण और पुराने हो चुके बुनियादी ढांचे की नियमित निगरानी जैसे कम आकर्षक लेकिन अत्यंत आवश्यक कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई सड़क धंसने की घटनाएं इसी उपेक्षा का परिणाम हैं। सड़कें किसी एक बारिश से नहीं धंसतीं। ऐसी घटनाएं आमतौर पर वर्षों से पाइपलाइन रिसाव, ठीक से न दबाई गई मिट्टी, पुराने उपयोगिता नेटवर्क, अपर्याप्त जल निकासी या बार-बार खुदाई के बाद उचित पुनर्स्थापन न होने के कारण सतह के नीचे जमा होती कमजोरियों का परिणाम होती हैं।

भारी बारिश केवल उन कमजोरियों को उजागर कर देती है जो लंबे समय से विकसित होती रही हैं। इसलिए 'जलवायु अनुकूलता' (क्लाइमेट रेज़िलिएंस) को केवल पर्यावरणीय चिंता के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसे शहरी बुनियादी ढांचे की योजना का केंद्रीय सिद्धांत बनाना होगा। इस परिवर्तन में प्रकृति-आधारित समाधानों को कहीं अधिक महत्व दिया जाना चाहिए।

पुनर्जीवित आर्द्रभूमियां, शहरी वन, पानी सोखने वाले फुटपाथ, बायोस्वेल, वर्षा उद्यान, विकेंद्रीकृत वर्षा-जल संचयन प्रणाली और संरक्षित शहरी झीलें वर्षा-जल के बहाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दे सकती हैं। गुरुग्राम के लुप्त होते प्राकृतिक नाले और दिल्ली की सिकुड़ती आर्द्रभूमियां इस बात का प्रमाण हैं कि पारिस्थितिक बुनियादी ढांचे की उपेक्षा अंततः इंजीनियरिंग आधारितढांचे को भी कमजोर कर देती है।

नागरिकों को यह प्रश्न पूछने का भी अधिकार है कि सार्वजनिक निवेश वास्तव में कितनी स्थायी सुरक्षा प्रदान कर रहा है। एनसीआर में हर वर्ष करदाताओं के करोड़ों रुपये सुरंगों, अंडरपासों और प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन सामान्य से थोड़ी अधिक वर्षा होते ही इनमें से अनेक संरचनाएं जलमग्न हो जाती हैं—चाहे वह प्रगति मैदान सुरंग हो या क्षेत्र के अनेक अंडरपास। क्या हमारी सड़कें केवल वाहनों की आवाजाही के लिए बनाई जा रही हैं, या उन्हें उन जलवायु परिस्थितियों में भी सुचारु रूप से कार्य करने योग्य बनाया जा रहा है? जिनका उन्हें सामना करना है?

पेट्रोल की टंकी में घुलता नया संकट

राजयपुर की उपभोक्ता अदालत ने एक कार कंपनी को निर्देश दिया कि वह ग्राहक को इथेनॉल के 20 फीसदी मिलावट वाले पेट्रोल के अनुरूप कार ग्राहक को दे या फिर पूरे पैसे लौटाए। पिछले कुछ महीनों से सुबह-सुबह पेट्रोल पंपों पर और गाड़ियों के सर्विस सेंटरों के बाहर एक अजीब सी बहस तैर रही है। कल तक जो मोटरसाइकिल या कार बिना किसी शिकायत के फरार्टा भर रही थी, वह अचानक बीच सड़क पर झटके खाने लगी है या फिर सुबह के वक्त स्टार्ट होने में ऐसी जिद पकड़ लेती है मानो उसमें पेट्रोल नहीं, पानी भरा हो। गैराजों में मैकेनिक इंजन खोलकर हैरान हैं कि आखिर गाड़ियों की सांसें इतनी जल्दी क्यों फूल रही हैं।

इस पूरी समस्या के पीछे जो नाम बार-बार उछल रहा है, वह है इथेनॉल। सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है कि हम पेट्रोल में बीस प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर देश का पैसा बचा रहे हैं और पर्यावरण को शुद्ध कर रहे हैं। नीतिगत तौर पर यह बात सुनने में जितनी आकर्षक लगती है, धरातल पर आम आदमी की गाड़ी के इंजन के लिए उतनी ही बड़ी पहेली बन गई है। इस पूरी बहस के पीछे एक गहरा वैज्ञानिक सच और प्रशासनिक जल्दबाजी की वह कहानी है, जिसे समझे बिना हम इस संकट का हल नहीं ढूंढ सकते।

वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो इथेनॉल मूल रूप से पौधों, गन्ने या अनाज से तैयार किया गया एक अल्कोहल है। जब इसे पेट्रोल में मिलाया जाता है, तो इसकी रासायनिक प्रकृति ईंधन के व्यवहार को पूरी तरह बदल देती है। इथेनॉल के भीतर एक प्राकृतिक भूख होती है, जिसे विज्ञान की भाषा में पानी के प्रति आकर्षण कहा जाता है। यह हवा में मौजूद मामूली सी नमी को भी स्पंज की तरह सोख लेता है। अब जरा दृश्य की कल्पना कीजिए। हमारी गाड़ियों की टंकियों में या पेट्रोल पंपों के जमीन के नीचे बने बरसों पुराने टैंकों में हवा के रास्ते जो भी नमी पहुंचती है, इथेनॉल पेट्रोल का साथ छोड़कर उस पानी से दोस्ती कर लेता है।

नतीजा यह होता है कि ईंधन दो परतों में बंट जाता है। पेट्रोल ऊपर तैरने लगता है और पानी तथा इथेनॉल का एक गाढ़ा, भारी मिश्रण टंकी के नीचे बैठ जाता है। चूंकि गाड़ी का ईंधन पंप हमेशा टंकी के सबसे निचले हिस्से से तेल खींचता है, इसलिए इंजन में शुद्ध पेट्रोल जाने के बजाय वह पानी और अल्कोहल का मिश्रण

चला जाता है। यही वह मुख्य वजह है जिससे गाड़ियां चलते-चलते अचानक बंद हो जाती हैं। इसके अलावा, अल्कोहल होने के कारण इथेनॉल स्वभाव से थोड़ा अम्लीय भी होता है, जो गाड़ियों के भीतर लगी रबर की नलियों, गैसकेट और एल्युमिनियम के पुर्जों को धीरे-धीरे गलाने लगता है।

जब हम दुनिया के नक्शे पर नजर डालते हैं, तो पाते हैं कि यह प्रयोग कोई नया नहीं है। ब्राजील जैसा देश पिछले चार दशकों से अपनी गाड़ियों में बेधड़क इथेनॉल का इस्तेमाल कर रहा है, और वहां शत-प्रतिशत इथेनॉल पर भी गाड़ियां दौड़ती हैं। लेकिन ब्राजील और भारत के बीच एक बहुत बड़ा बुनियादी फर्क है, जिसे हमारे योजनाकारों ने शायद नजरअंदाज कर दिया। ब्राजील ने रातों-रात पेट्रोल का रंग नहीं बदला। उसने पैंतालीस साल तक अपनी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को तैयार किया। आज वहां बिकने वाली लगभग हर गाड़ी का इंजन इस तरह बनाया जाता है कि वह चाहे जितना भी इथेनॉल हो, उसे आसानी से पचा सके।

जब तक सड़कों से पुरानी गाड़ियां पूरी तरह बाहर नहीं हो जातीं, तब तक आम उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल चुनने का अधिकार और विकल्प मिलना ही चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। पुरानी गाड़ियों को भी इथेनॉल मिश्रिम ईंधन से चलवाया जा रहा है।

अमेरिका में भी जब ऐसा प्रयोग हुआ, तो वहां हर पेट्रोल पंप पर बाकायदा लिखकर बोर्ड लगाया गया कि किस मशीन में कितना इथेनॉल मिला है, ताकि पुरानी गाड़ी वाले सतर्क रहें। भारत में संकट की असली जड़ यही है कि हमने बुनियादी तैयारी पूरी होने से पहले ही दौड़ने की जल्दबाजी दिखाई। भारत की सड़कों पर आज भी करोड़ों गाड़ियां ऐसी चल रही हैं जो पांच, दस या पंद्रह साल पुरानी हैं। हमारे देश में केवल पिछले दो साल से बनने वाले वाहनों को ही इस नए ईंधन के अनुकूल बनाया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि देश की नब्बे प्रतिशत से अधिक आबादी आज जिस गाड़ी पर सवार है, उसका इंजन इस बीस प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल को झेलने के लिए बना ही नहीं है। उस पर से तुर्रा यह कि उपभोक्ता के पास कोई विकल्प नहीं है।

आप किसी भी पेट्रोल पंप पर चले जाइए, आपको वही इथेनॉल मिश्रित ईंधन मिलेगा। न तो वहां कोई पारदर्शी बोर्ड लगा है जो बताए कि आज के तेल में कितनी मिलावट है, और न ही पुरानी गाड़ियों के लिए शुद्ध पेट्रोल का कोई अलग नोजल उपलब्ध है। हमारे देश की मानसूनी जलवायु में हवा में नमी वैसे ही बहुत ज्यादा होती है, और जब यह ईंधन हमारे देश के पुराने, सीपेज वाले पेट्रोल पंपों के टैंकों से होकर आम आदमी की गाड़ी तक पहुंचता है, तो वह एक रासायनिक टाइम बम बन जाता है। यह नीति देश की ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की आय के लिहाज से निश्चित रूप से एक दूरदर्शी कदम हो सकती है, लेकिन कोई भी राष्ट्रीय नीति आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन को संकट में डालकर सफल नहीं हो सकती।

युवाओं पर केंद्रित हो रही है कांग्रेस की राजनीति

लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता और कांग्रेस की उम्मीद राहुल गांधी की देहरादून में 17 जुलाई को आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक सभा नहीं थी। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की चुनावी रणनीति का ऐसा संकेत भी थी, जिसे केवल उत्तराखंड के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी पढ़े जाने की आवश्यकता है। राजस्थान के कोटा से प्रारंभ हुए इस अभियान का दूसरा बड़ा पड़ाव उत्तराखंड बना। यह चयन संयोग नहीं माना जा सकता। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, चयन प्रक्रियाओं पर सवाल, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं में गहराते असंतोष के कारण राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है। कांग्रेस ने इन्हीं परिस्थितियों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि राहुल गांधी ने अपने पूरे संबोधन को लगभग पूरी तरह पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य तक सीमित रखा।

उन्होंने राज्य सरकार या केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमलों के लिए उपलब्ध अनेक अन्य विवादित मुद्दों-महंगाई, अंकिता भंडारी हत्याकांड, बदरीनाथ धाम में दान राशि चोरी, दो कार्यकाल की एंटी-इंकम्बेंसी अथवा सामाजिक-राजनीतिक विवादों-को लगभग पूरी तरह अनदेखा किया। यह चयन स्वयं में राजनीतिक संदेश देता है। दरअसल, भाजपा और राज्य सरकार ने भी राहुल गांधी के संभावित राजनीतिक हमलों का पूर्वानुमान लगाया हुआ था। उत्तराखंड सैनिक परंपरा वाला राज्य है। बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं। माना जा रहा था कि राहुल गांधी अग्निवीर योजना को प्रमुख मुद्दा बनाएंगे। यही कारण था कि उनके कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले राज्य सरकार ने अग्निवीरों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया तथा राज्य स्तर पर अग्निवीर प्रकोष्ठ के गठन की घोषणा भी कर दी। राजनीतिक दृष्टि से यह एक प्रकार की पूर्व तैयारी थी।

किंतु राहुल गांधी ने इस विषय को छूने के बजाय अपना पूरा फोकस युवाओं की शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और रोजगार पर केंद्रित रखा। इससे यह संकेत मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल उन मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहती है, जिन पर उसे व्यापक सामाजिक सहमति और राजनीतिक स्वीकार्यता मिलने की संभावना दिखाई देती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों में अपनी राजनीति का स्वरूप लगातार बदलते दिखाई देते हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे विषयों को केंद्र में रखा था। अब 'छात्रों की गूंज' अभियान में युवाओं और शिक्षा को प्रमुख स्थान दिया गया है।

कोटा में उन्होंने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को ₹रिजेक्शन सिस्टम₹ बताते हुए कहा था कि व्यवस्था छात्रों को अवसर देने के बजाय उन्हें बाहर करने का माध्यम बन गई है। देहरादून में भी उनके भाषण का मूल स्वर यही रहा कि शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई युवाओं के भीतर गहरा असंतोष पैदा कर रही है। उत्तराखंड का चयन भी राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और अन्य चयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं ने हजारों युवाओं को प्रभावित किया। राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू किया, अनेक गिरफ्तारियां हुईं और जांच एजेंसियों ने कार्रवाई भी की। सरकार का दावा है कि उसने भर्ती प्रणाली को पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शी बनाया है। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं है; युवाओं का विश्वास तभी लौटेगा जब समयबद्ध, निष्पक्ष और नियमित भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। यही वह राजनीतिक रिक्ति है, जिसमें कांग्रेस अपनी संभावनाएं तलाश रही है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पारंपरिक विपक्षी राजनीति से कुछ अलग दिखाई देता है। सामान्यतः विपक्ष सरकार को घेरने के लिए उपलब्ध हर मुद्दे का उपयोग करता है। लेकिन देहरादून में राहुल गांधी ने अपेक्षाकृत संयमित रणनीति अपनाई। उन्होंने आरोपों की सूची प्रस्तुत करने के बजाय एक ही विषय-युवाओं के भविष्य-पर लगातार बल दिया। इससे यह आभास मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल अपने राजनीतिक संदेश को बिखरने देने के बजाय सीमित लेकिन प्रभावी मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहती है। इसके पीछे एक महत्वपूर्ण चुनावी गणित भी दिखाई देता है।

आज का राशिफल

मेष – कामकाज निपटाने के लिये किसी के सहयोग की जरूरत होगी। लाभ होने का योग है। यात्रा आदि का योग प्रबल रहेगा। प्रयत्नों में सफलता मिलेगी।

वृषभ – दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें। अनपेक्षित वृषभन्तुकों से धन व्यय होगा। परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी। सुखद अनुभवों की प्राप्तिहोगी।

मिथुन – भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी संभव है। कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव व बर्चस्व बढ़ेगा। स्त्री जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। आर्थिक कार्यो में सुधार होगा।

कर्क – कुछ लोग आपसे नजदीकी का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में सुधार होगा। अतिथि वृषभमन का योग है। संयम से कार्य करें।

सिंह – रूकी योजनाओं में गति देने में सफलता मिलेगी। पारिवारिक परेशानी दूर होगी। हितकारी लाभदायक योजनायें बनेंगी। उत्साह बना रहेगा।

कन्या – कैरियर में आ रही बाधा दूरी होंगी। कम लाभ में भी संतोष रहेगा। उचित मार्गदर्शन मिलेंगे। मित्र आपकी मदद करेंगे।

तुला – स्वास्थ्य में उतार चढाव बना रहने से सेहत बिगड़ सकती है। मामूली बात पर मित्रों से कहासुनी होगी। मानसिक प्रसन्नता होगी। थोडे लाभ में भी संतोष रहेगा।

वृश्चिक – आपके सहज स्वाभाव का लोग गलत फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। निकट संबंधियों का सहयोग रहेगा। मनचाही सफलता मिलेगी। कामकाज पूरा होगा।

धनु – आपका कड़ा व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है। विद्या पक्ष में उन्नति होगी। कामकाजी महिलाओं को अच्छी सफलता का योग है।

मकर – आकस्मिक विस्तार की संभावना को बल मिलेगा। कामकाज की देरी से खिन्नता होगी। कोर्ट कचहरी के कार्यो में यथेष्ठ सफलता मिलेगी। कार्य की अधिकता रहेगी।

कुम्भ – आप किसी बात को लेकर भयभीत हो सकते हैं। मित्रों का साथ वृषभे बढ़ने की हिम्मत देगा। परिश्रम अधिक रहेगा। किसी विशिष्ट व्यक्ति से सहयोग मिलेगा।

मीन – मित्रों से किया गया वादा निभाना मुश्किल होगा। नए काम की तलाश में सफलता मिलेगी। कामकाज के प्रति उत्साह बना रहेगा। व्ययभार की अधिकता रहेगी।

व्यापार-भविष्य

आषाढ शुक्ल चतुर्थी को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीपल खांड़ गेहूं, सूत, जौ, चना, तिल, तेल, में तेजी होगी। वायदा विचार आज शेयर बाजारों के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2559 है।

संक्षिप्त समाचार

हरित भविष्य की ओर एक सार्थक कदम

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय सांचौर। सांचौर के निकटवर्ती अरणाय गांव के नीलकंठ महादेव शिक्षण संस्थान

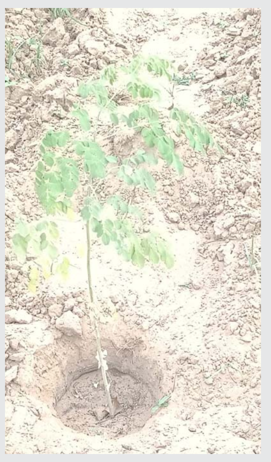

अरणाय में संस्थान के परिक्षेत्र में रविवार को 300 पौधे लगाकर बड़ा किर्तिमान बनाया । पहले से ही 100 पेड़-पौधे जिसमें छायादार, फलों व फूलों के पौधे हैं। संस्थान के सचिव सांवलाराम चौधरी ने बताया कि प्रकृति के संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है। सार्वजनिक स्थान व घरों में वृक्षारोपण अवश्य करें। हर ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा जाए जिसमे एक पौधा लगाकर उसकी नियमित रूप से पानी व सुरक्षा करें ताकि धरती मां का ऋष्ण चुकाया जा सकता है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश फैलाया जा सकता है। वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि हमारे जीवन, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। आइए, अधिक से अधिक पौधे लगाएँ, उनका संरक्षण करें और हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध देश के निर्माण में अपना योगदान दें।

नि:शुल्क मेडिकल कैंप की आड़ में मरीजों से वसूली का आरोप, एसडीएम की सतर्कता से रुकी कथित ठगी

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर/ जिला संवाददाता संजय बिश्नोई। रायसिंहनगर हनुमान मंदिर धर्मशाला में आयोजित एक कथित निःशुल्क मेडिकल कैंप में मरीजों से 500-500 वसूलने तथा गंभीर बीमारियों का भय दिखाकर महंगी दवाइयां खरीदने के लिए प्रेरित किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कैंप में आए लोगों को विभिन्न गंभीर बीमारियां बताकर करीब 5,000 तक की दवाइयां लेने के लिए कहा जा रहा था।

मामले की जानकारी मिलते ही उपखंड अधिकारी (एसडीएम) पूनम चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच टीम को मौके पर भेजा। जांच के दौरान जिन लोगों से कथित रूप से राशि ली गई थी, उन्हें मौके पर ही पैसे वापस दिलवाए गए। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन हस्तक्षेप नहीं करता तो बड़ी संख्या में लोग आर्थिक नुकसान का शिकार हो सकते थे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी निःशुल्क मेडिकल कैंप में जांच या इलाज के नाम पर पैसे मांगे जाएं या किसी प्रकार का संदेह हो, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें।

फिलहाल प्रशासन जिले में बिना अनुमति या संदिग्ध तरीके से संचालित मेडिकल कैंपों पर नजर बनाए हुए है। जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या धोखाधड़ी सामने आती है, राजकीय चिकित्सालय से डॉ तेजकुमार शर्मा, डॉ सुरेंद्र कुमार समाजसेवी संतलाल मेघवाल, मेडिकल एसोसिएशन जिला अध्यक्ष राधेश्याम भाखर और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे

समेजा कोठी की इंदिरा कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की चर्चा,

- **लोगों में बढ़ी चिंता पुर्व विधायक बलबीर सिंह निवास पर पहुंचे लोग**

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। जिले के रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत समेजा कोठी स्थित वन विभाग की भूमि पर बसी इंदिरा कॉलोनी में राज्य सरकार के आदेशों के तहत सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की संभावित प्रक्रिया को लेकर क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। कार्रवाई की चर्चाओं के बाद कॉलोनीवासियों में चिंता और असमंजस का माहौल देखने को मिल रहा है।

इस बीच क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। चर्चा है कि कुछ लोग इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। वहीं कई लोगों का मानना है कि सरकारी भूमि से जुड़े मामलों में अंतिम निर्णय कानून और सरकार के निर्धारित नियमों के अनुसार ही होता है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की कार्रवाई सरकार के आदेशों और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत ही की जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संवेदनशील मामले का समाधान भी प्रशासन और सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही होना चाहिए, ताकि सभी पक्षों के साथ न्याय हो और अनावश्यक भ्रम की स्थिति पैदा न हो।

अब क्षेत्र की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई और आधिकारिक निर्णय पर टिकी हुई हैं। समेजा कोठी से श्रीमती गोगा देवी नायक, हेतराम पूर्व सरपंच, महावीर स्वामी, गोविंद राम , लालपुरा, सुखदेव सिंह,इब्राहिम खान,मदन खान, सुखदेव पत्रकार लोग पूर्व विधायक बलबीर सिंह लूथरा के निवास पर पहुंचे और इस कारवाई को रोका जाए नहीं तो गांव के गांव खाली हो जाएंगे

फाटक संख्या 493 रहेगा बंद, वैकल्पिक मार्ग से होगा आवागमन

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। आगरा मंडल के धौलपुरझ्र आगरा रेल खंड के मध्य कि.मी. 1340/2-4 स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 493 पर ट्रैक अनुरक्षण एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक कार्य किए जाने के कारण सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा। रेल प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह अनुरक्षण कार्य 20 जुलाई 2026 को प्रातः 7:00 बजे से 25 जुलाई 2026 को सायं 6:00 बजे तक किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से इस अवधि में फाटक संख्या 493 से सड़क यातायात का संचालन संभव नहीं होगा। इस दौरान आमजन की सुविधा के लिए फाटक एलएचएस-494 (मोहल्लाझ्रसोहल्ला, आगरा) को वैकल्पिक मार्ग के रूप में निर्धारित किया गया है। सभी वाहन इसी मार्ग से होकर आवागमन करेंगे। रेल प्रशासन ने बताया कि ट्रैक का अनुरक्षण कार्य रेल संचालन एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें तथा अनुरक्षण कार्य के दौरान सहयोग प्रदान करें, जिससे कार्य सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

भाविप जालौर द्वारा संस्कार शिविर आयोजित, 148 विद्यार्थियों को संस्कारों बाबत जानकारी दी

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ कयूम खान / फोटो साबिर सागर। भारत विकास परिषद जालौर एवं एंजल एकादमी स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में संस्कार प्रकल्प के तहत विद्यार्थियों में उत्तम संस्कार विकसित करने,भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र भक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से, एंजल एकादमी स्कूल परिसर में शनिवार को एक दिवसीय संस्कार आयोजित किया गया।

सचिव शांतिलाल सोनी ने बच्चों को माता पिता,गुरुजनों के सम्मान, अनुशासन, समय का सदुपयोग, स्वच्छता, मानवीय मूल्यों का पालन करने, मूक पशु पक्षी सेवा, व भारतीय संस्कृति के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए इन्हें अपने जीवन में अपनाकर संस्कारवान नागरिक बनकर राष्ट्र हित में कार्य करने का संकल्प दिलाया।शाखा संस्कार संयोजक महेंद्र आनंद वैष्णव द्वारा वैदिक महत्व , प्रार्थना, योग व ध्यान की जानकारी देकर शारीरिक स्वस्थता, वर्तमान परिवेश में बच्चों को प्रातः उठते के पश्चात पूरी दिनचर्या बेहतर रखने के विषय में जानकारी दी। शाखा महिला संयोजक सीता सुन्देशा ने उपस्थित 148 बच्चों को कविता, गीत, के माध्यम से रोचक तरीके से,संस्कार पालना करने के विभिन्न विषयों पर सभी का ध्यान खींचा,व बच्चों को मातापिता ,गुरुजनों का सम्मान करने की आवश्यकता बताते हेतु संस्कारवान नागरिक बनकर समाज, राष्ट्र हित में कार्य करने हेतु अवगत कराया। शाला प्रधानाचार्या अनिता कच्छवाह ने भारत विकास परिषद द्वारा शिविर आयोजित कर बच्चों में संस्कारों, राष्ट्र भक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता बाबत महत्वपूर्ण जानकारी देने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास और चारित्र निर्माण में महत्वपूर्ण साबित होते हैं इन्होंने भविष्य में इस प्रकार के और कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया।अंत में शाला संचालक अमृतकुमार ने परिषद सदस्यों, शाला स्टॉफ, द्वारा शिविर में उत्साह पूर्वक भाग लेने पर सभी को धन्यवाद दिया।

शिविर में शाखा सचिव शांतिलाल सोनी, शाखा संस्कार संयोजक महेंद्र आनंद वैष्णव, शाखा महिला संयोजक सीता सुन्देशा, प्रधानाचार्या अनिता कच्छवाह, अमृत कुमार , नीलम , पूजा चौहान , देवी कुमारी , अभिजीत सहित शाला स्टॉफ, व स्कूल के विद्यार्थी मौजूद रहे।

येऊर गेट पर नियमों की अनदेखी? रात में प्रवेश प्रतिबंध के बावजूद वाहनों की लंबी कतार, ठाणे कांग्रेस ने वन अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

इको-सेंसिटिव ज़ोन में रात के समय प्रवेश प्रतिबंध के बावजूद वाहनों को अंदर जाने देने का आरोप, ठाणे कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। ठाणे के येऊर इको-सेंसिटिव ज़ोन और संरक्षित वन क्षेत्र में रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक बाहरी वाहनों और पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध होने के बावजूद देर रात बड़ी संख्या में वाहनों को प्रवेश दिए जाने का गंभीर आरोप ठाणे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पिंगळे ने लगाया है। उनका कहना है कि बिना किसी जांच-पड़ताल के सभी वाहनों को अंदर जाने दिया जा रहा है, जिससे वन विभाग की कार्यप्रणाली और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

राहुल पिंगळे के अनुसार, शनिवार देर रात उपवन क्षेत्र से गुजरते समय उन्होंने येऊर की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार और भारी ट्रैफिक जाम देखा। जानकारी लेने पर पता चला कि ये सभी वाहन येऊर प्रवेश द्वार से अंदर जाने के लिए लाइन में खड़े थे।

इस संबंध में जब येऊर प्रवेश द्वार पर तैनात अधिकारी रमाकांत मोरे से पूछताछ की गई तो उन्होंने कथित तौर पर बिना किसी प्रत्यक्ष जांच या सत्यापन के अपने कार्यालय में बैठे-बैठे ही कहा कि ऊपर जाने वाले वाहन बंगले मालिकों और उनके रिश्तेदारों के हैं। कांग्रेस का आरोप है कि इस तरह का जवाब वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। वहीं, स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर उन्होंने दावा किया कि रात के समय रोज़ाना इसी तरह बड़ी संख्या में वाहनों का प्रवेश होता है। ठाणे कांग्रेस ने मांग की है कि रात के समय स्थानीय नागरिकों और अत्यावश्यक सेवाओं के वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाई जाए। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

खौड़ पुलिस चौकी के नए प्रभारी बने एएसआई राजूराम देवासी

- **ग्रामीणों से की शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील**

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल। खौड़,पाली गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र की खौड़ पुलिस चौकी में एएसआई राजूराम देवासी ने रविवार को नए चौकी प्रभारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र के ग्रामीणों से मुलाकात कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

नवनियुक्त चौकी प्रभारी देवासी ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अपराध अथवा कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाने का आग्रह किया, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान शिवपुरा से स्थानांतरित होकर आए कांस्टेबल लक्ष्मण कुमार मेघवाल ने भी खौड़ पुलिस चौकी में अपना कार्यभार ग्रहण किया। ग्रामीणों ने नए चौकी प्रभारी का स्वागत करते हुए क्षेत्र में बेहतर पुलिस व्यवस्था और जनसहयोग से अपराध नियंत्रण की उम्मीद जताई।

फालना में हृदय रोग चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित, 50 मरीजों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ : जेके बावल/फालना/पाली। मेडीपल्स हॉस्पिटल, जोधपुर एवं श्रीनाथ पॉलीक्लिनिक एंड लैब के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को फालना के सांडेराव रोड स्थित अंबावाड़ी नगर (भारत स्टील अलाइनमेंट के पास) में निःशुल्क हृदय रोग चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ बंसल ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान सीने में दर्द, घबराहट, उच्च रक्तचाप, अनियमित धड़कन, सांस फूलने सहित विभिन्न हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों का परीक्षण किया गया।

सहायक शावेज आलम ने बताया कि शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा करीब 50 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया।

डॉ. बंसल ने हृदय रोगों से बचाव के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। आयोजक भावेश सोनी ने बताया कि ऐसे चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

शिविर की समाजसेवी रामकिशोर गोयल, अनिल अग्रवाल, सुरेशचंद्र अग्रवाल, अमित मेहता एवं रितेश अग्रवाल ने सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी पहल बताया।

कचरा उठाव में लापरवाही, शहर के डस्टबिन कचरे से लबालब, भरे डस्टबिन में लगी आग

चमकता राजस्थान

रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। शहर में सफाई व्यवस्था लगातार बदहाल होती नजर आ रही है। नगर पालिका द्वारा लगाए गए कई डस्टबिन समय पर कचरा नहीं उठाए जाने के कारण पूरी तरह भर चुके हैं। कई स्थानों पर कचरा डस्टबिन से बाहर तक फैल गया है, जिससे आसपास गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है।

स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब कचरे से भरे एक डस्टबिन में आग लग गई। आग से धुआं फैलने के कारण आसपास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर कचरे का नियमित उठाव होता, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता था।

शहरवासियों का सवाल है कि क्या नगर पालिका का कोई जिम्मेदार अधिकारी सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करेगा, या फिर इसी तरह शहर की सफाई व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ती रहेगी।

लोगों का कहना है कि लंबे समय तक कचरा जमा रहने से मच्छरों और मक्खियों की संख्या बढ़ रही है, जिससे डेंगू, मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने, दोषियों पर कार्रवाई करने और शहर की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार करने की मांग की है।

मेधावी विद्यार्थियों को मिले इग्नाइटर्स अवार्ड 2026

चमकता राजस्थान/जयपुर। मेधावी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाना और बेहतर करियर के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से पत्रिका इग्नाइटर्स अवार्ड का आयोजन करता है यह अवार्ड कार्यक्रम राज्य के जयपुर और कोटा जैसे प्रमुख शहरों में इसका आयोजन किया जाता है इस आयोजन में प्रदेश के सी.बी.एस.ई आर.बी.एस.ई और आई.सी. ए.सी बोर्ड की परीक्षाओं में 70% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को यह पुरस्कार दिया जाता है इस वर्ष जयपुर के महाराणा प्रताप ऑटो डोरियम विद्याश्रम स्कूल में 15 से 18 जुलाई के मध्य इसका आयोजन किया गया। सभी मेधावी छात्र छात्राओं सहित शहर के जाने-माने समाजसेवी , भामाशाह, कांग्रेस के युवा नेता युगल किशोर शर्मा की पुत्री यवनिका जोशी मुनमुन को 12वीं कक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने पर अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया

नागौर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनूठी पहल शुरू हुई है, गली-मोहल्लों से शुरू हुआ 'ग्रीन बचपन अभियान'

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर अब हरित क्रांति का रूप लेता नजर आ रहा है।इस अभियान में 5 से 12 वर्ष तक के स्कूली बच्चे, महिलाएं और स्थानीय लोग मिलकर बीज अंकुरण, पौधारोपण, जैविक खाद निर्माण और बेजुबान पक्षियों के लिए परिंदे लगाने जैसे कार्य कर रहे हैं। खुद को ग्रीन आर्मी के रूप में तैयार कर रहे ये बच्चे पर्यावरण बचाने का संदेश दे रहे हैं।

नागौर की गलियों और मोहल्लों में इन दिनों बच्चों के हाथों में खिलौने नहीं, बल्कि पौधे और बीज नजर आ रहे हैं।ग्रीन बचपन अभियान के तहत स्कूली बच्चे और महिलाएं मिलकर बीज अंकुरित कर रहे हैं, पौधे तैयार कर रहे हैं और उन्हें सार्वजनिक स्थानों व घरों के आसपास रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की नई शुरुआत कर रहे हैं।पर्यावरण कार्यकता एवं फ्अर चयनित उमा व्यास और उषा देवी ने अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है। घरों से निकलने वाले जैविक कचरे से खाद बनाने की भी लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हो और स्वच्छ एवं हरित वातावरण तैयार हो सके। साथ ही गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंदे लगाकर पानी की व्यवस्था भी की जा रही है।संरक्षण कार्यकर्ता सराहनीय सेवाओं के लिए हाल ही में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने वृक्ष मित्र पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया है । विवेन ने एक समूह बनाया है, जिसमें 5 से 12 वर्ष के अनेक बच्चे शामिल हैं । अभियान से जुड़े बच्चे खुद को ग्रीन आर्मी कह रहे हैं। उनका उद्देश्य है कि हर घर, हर गली और हर मोहल्ला हरियाली से भर जाए। आयोजकों के अनुसार इस मुहिम से वैश्विक स्तर पर 5 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भी जुड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने-अपने क्षेत्रों तक पहुंचा रहे हैं।

नागौर से शुरू हुई यह पहल अब जन-जागरूकता का अभियान बनती जा रही है। यदि समाज का हर वर्ग इसी तरह पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए, तो हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सकेगा।

अकलेरा बस स्टैंड: गंदगी और बदहाली का केंद्र, नगर पालिका प्रशासन की अनदेखी पर उठे सवाल

चमकता राजस्थान

अकलेरा/ दिनेश शर्मा। एक ओर सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरों को चमकाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर अकलेरा का मुख्य बस स्टैंड अपनी बदहाली के आंसू रो रहा है। बस स्टैंड की वर्तमान स्थिति नगर पालिका प्रशासन, विशेषकर अधिशाषी अधिकारी (एड) पुखराज मीणा की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है।

● गंदगी का आलम: कचरे के ढेर और आवारा मवेशियों का जमावड़ा

बस स्टैंड के मुख्य परिसर में फैली गंदगी और कचरे के अंबार ने राहगीरों और यात्रियों का जीना दूभर कर दिया है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि बस स्टैंड पर कचरा बिखरा हुआ है, जिससे हर समय दुर्गंध फैली रहती है। सबसे गंभीर बात यह है कि यहां कचरे के बीच आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। गंदगी के कारण यहाँ से गुजरना भी दुश्वार हो गया है।

● ईओ पुखराज मीणा की कार्यशैली पर भारी नाराजगी

स्थानीय निवासियों और यात्रियों का आरोप है कि बस स्टैंड की इस दयनीय स्थिति के लिए नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी पुखराज मीणा सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। बार-बार शिकायतों के बावजूद, न तो नियमित सफाई की व्यवस्था है और न ही आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

शहर की बदनामी: बस स्टैंड किसी भी शहर का प्रवेश द्वार होता है, लेकिन अकलेरा बस स्टैंड की यह तस्वीर शहर की स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल रही है।

स्वास्थ्य का खतरा: चारों ओर फैली गंदगी और सड़ते कचरे से बीमारियाँ फैलने का खतरा बना हुआ है।

प्रशासन की चुप्पी: आमजन का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह विफल रहा है।

● क्या कहते हैं नागरिक?

बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों और दुकानदारों का कहना है कि ईओ पुखराज मीणा को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से बस स्टैंड की सफाई करवाई जाए और नगर पालिका के उदासीन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

सिकंदरा डाकघर में चोरी के प्रयास का दूसरा आरोपी गिरफ्तार, शातिर बदमाश पर दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। दौसा जिले की सिकंदरा थाना पुलिस ने कस्बे के उप डाकघर में ताला तोड़कर चोरी का प्रयास करने के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश का शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ चोरी, लूट, नकबजनी और आर्म्स एक्ट सहित करीब दो दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल मीणा एवं वृत्ताधिकारी धर्मराज चौधरी के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी रोहिताश उर्फ देवेन्द्र उर्फ टोटा (45) निवासी मुबारकाबाद, थाना इरादतनगर, जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) को भरतपुर जिले के नदबई से गिरफ्तार किया।

● 22 मार्च को हुई थी वारदात

22 मार्च 2026 की रात सिकंदरा उप डाकघर में अज्ञात बदमाशों ने मुख्य गेट और चैनल गेट के ताले काटकर चोरी का प्रयास किया था। बदमाशों ने दो रजिस्टर्ड पार्सलों को फाड़ दिया, ट्रेजरी का हैंडल तोड़कर उसे खोलने की कोशिश की तथा नए थर्मल प्रिंटर की पैकिंग फाड़कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। इस संबंध में पोस्टमास्टर विनोद कुमार की रिपोर्ट पर सिकंदरा थाने में मामला दर्ज किया गया था।

● सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना से मिली सफलता

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से 16 जून को पहले आरोपी बंटी ठाकुर को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने रोहिताश उर्फ टोटा की संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उसे नदबई से पकड़कर पूछताछ की और गिरफ्तार कर लिया। मामले में तीसरे आरोपी सरवन उर्फ श्रवण उर्फ राजू उर्फ बिहारी की तलाश जारी है।

लोकतंत्र पंचायत चुनाव और पेपर लीक समेत कई मुद्दों पर RGPRS का सत्याग्रह अंबेडकर सर्किल पर गुंजा विरोध

चमकता राजस्थान/ गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठनद्वारा स्थानीय अम्बेडकर सर्किल पर जिला अध्यक्ष श्री जोरावर सिंह चौहान के नेतृत्व में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिये लोकतंत्र बचाओ सत्याग्रह का जिला स्तरीय आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिला अध्यक्ष पंचायत राज संगठन जोरावर सिंह चौहान ने बताया कि सत्याग्रह कार्यक्रम RGPRS कोटा संभाग प्रभारी गुलाब चंद मीणा के निर्देशन में हुआ। जिसमे सुश्री मीनाक्षी नटराजन का राज्य सभा चुनाव नामांकन असंवैधानिक तरीके से रद्द किए जाने और राज्य सरकार एवं निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से विगत डेढ़ वर्ष से राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं और नगरीय निकायों के चुनाव टालकर लोकतंत्र को खत्म करने के विरोध में ओर नीट के साथ साथ विभिन्न परीक्षा के पेपर लीक करके छात्रों के भविष्य को अंधकार में डालने , स्मार्ट मीटर के में हो रही खुली लूट ,ग्रामीण अंचल को शहरों से जोड़ने वाली समस्त खस्ताहाल सड़को की मरम्मत करने व किसानों को फसलो में हुई अतिव्रष्टि का मुआवजा देने सहित आम नागरिकों के अधिकारों हेतु सत्याग्रह किया गया।

सोजत में विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के सेवा सप्ताह के तहत दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर संपन्न, सैकड़ों लोगों को मिला नि:शुल्क स्वास्थ्य लाभ

चमकता राजस्थान

हितेष भाटी/सोजत। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, जिला सोजत द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर हवाई पट्टी के पीछे स्थित खंडों वाली बस्ती तथा गाडोलिया लोहार क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सोजत में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना एवं जनसेवा की भावना को सशक्त करना रहा। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा विभिन्न बीमारियों के संबंध में परामर्श देकर आवश्यक दवाइयाँ एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आनंद भाटी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष (अधिवक्ता) ने कहा कि बजरंग दल का सेवा सप्ताह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना पहुँचाने का संकल्प है। उन्होंने सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। शिविर के सफल आयोजन में विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री मानवेन्द्र भाटी, सेवा प्रमुख रणजीत सिंह राजपुरोहित, कार्यक्रम संयोजक कमलेश पंवार, अनिल, तनुज, योगेश, विधि प्रकोष्ठ प्रमुख घेवरराम गहलोत, युवराज मालवीय, जोगेश्वर जोशी, मोनिका मालवीय, धीरज, सुनील एवं अभिषेक ने सक्रिय भूमिका निभाई तथा व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।शिविर में डॉ. ज्योति, डॉ. सलीम, भूपेन्द्र, सिद्धार्थ सिंह, देवेन्द्र वैष्णव, वर्षा, जयश्री, निखिल, मानवेन्द्र सिंह एवं रविन्द्र ने अपनी चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान करते हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यक परामर्श देकर जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए वृक्षारोपण का सघन अभियान भी चलाया गया हे ।

गढ़सिवाना दरगाह पर अमन-चैन की दुआ, RAKMA के सम्मान समारोह में सामाजिक एकता और कर्मचारी हितों का संदेश

चमकता राजस्थान/जालोर। ब्यूरो चीफ कयूम खान बालोतरा जिले की गढ़सिवाना तहसील स्थित हजरत बापू सुल्तान शाह जिलानी दंताला दरगाह पर राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (RAKMA), सिलावट समाज सेवा समिति एवं मुस्ताक अली के नेतृत्व में सम्मान समारोह एवं जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दरगाह पर चादर पेश कर प्रदेश में सुख-शांति, भाईचारे और अमन-चैन की दुआ मांगी।

जालोर जिला अध्यक्ष भंवरू खान पठान ने बताया कि RAKMA के प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें जालोर जिले के मोहम्मद रफीक शेख (लेक्चरर) को प्रदेश सचिव तथा अमीन खान (नायब तहसीलदार) को प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है। दोनों पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ अल्पसंख्यक कर्मचारी एवं अधिकारियों के हितों से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस अवसर पर RAKMA जालोर के जिला अध्यक्ष भंवरू खान पठान एवं उनकी टीम ने मुस्ताक अली (राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन (एकीकृत) जिला अध्यक्ष एवं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, जालोर) का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया। वहीं मुस्ताक अली ने भी नवनियुक्त प्रदेश सचिव मोहम्मद रफीक शेख, अतिरिक्त प्रशानिक अधिकारी मोहम्मद रफीक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी इमरान खान का साफा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम में संगठन की ओर से शिक्षा, कर्मचारी हितों की सुरक्षा, सामाजिक एकता तथा समाज के उत्थान को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

तंबाकू और निकोटीन एंडगेम : दूरदर्शी सोच, व्यावहारिक रोडमैप और जनभागीदारी की जरूरत

रामदास तरुण
धौलपुर से लेखक

भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। इस लक्ष्य की सफलता केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि स्वस्थ और उत्पादक नागरिकों से तय होगी। ऐसे में तंबाकू और निकोटीन की लत देश के सामने एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक चुनौती है। इसलिए अब समय आ गया है, कि भारत केवल तंबाकू नियंत्रण तक सीमित न रहकर, तंबाकू और निकोटीन एंडगेम यानी इनके उपयोग को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने की दीर्घकालिक राष्ट्रीय रणनीति पर गंभीरता से विचार करे। पिछले वर्षों में भारत ने तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध, तंबाकू उत्पादों पर बड़े स्वास्थ्य चेतावनी चित्र, विज्ञापन प्रतिबंध, कर वृद्धि और जन- जागरूकता अभियानों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। फिर भी तंबाकू सेवन पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो पाया है। इसके साथ ही निकोटीन के नए उत्पाद युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं, जो भविष्य के लिए नई चुनौती बन सकते हैं।

भारत में प्रतिदिन हजारों लोग तंबाकूजनित बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं

कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियाँ और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएँ लाखों परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में डाल देती हैं।इसलिए अब ऐसी राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता है।जिसका उद्देश्य केवल तंबाकू की खपत कम करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को निकोटीन की लत से बचाना हो। हालाँकि, भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में तंबाकू और निकोटीन का पूर्ण अंत किसी एक निश्चित वर्ष—जैसे दिसंबर 2030—तक कर देने का लक्ष्य अत्यधिक महत्वाकांक्षी और व्यावहारिक रूप से कठिन प्रतीत होता है। जब देश अभी सतत विकास लक्ष्यों (SDGs-2030) को प्राप्त करने की दिशा में भी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब तंबाकू एंडगेम को किसी कठोर समयसीमा के बजाय चरणबद्ध, वैज्ञानिक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय रोडमैप के रूप में अपनाना अधिक उचित होगा।

पहले चरण में युवाओं की पहुँच सीमित करना, अवैध विज्ञापनों पर सख्ती, नशामुक्ति सेवाओं का विस्तार, नए निकोटीन उत्पादों पर प्रभावी नियंत्रण, कर नीति को मजबूत करना तथा स्कूलों और कॉलेजों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

दूसरे चरण में तंबाकू उत्पादन एवं खपत को क्रमशः कम करने के स्पष्ट लक्ष्य तय किए जाएँ। इसके साथ तंबाकू उत्पादों के निर्माण, विपणन और सरकारी प्रोत्साहन को चरणबद्ध रूप से सीमित करने की नीति अपनाई जाए। यह प्रक्रिया तभी सफल होगी जब तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसलें, वित्तीय सहायता, कौशल विकास, स्वरोजगार और नए रोजगार के अवसर समानांतर रूप से उपलब्ध कराए जाएँ। यहाँ यह समझना आवश्यक है, कि इस परिवर्तन का

पूरा दायित्व केवल सरकार पर नहीं डाला जा सकता

गैर-सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सा विशेषज्ञ, निजी क्षेत्र, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) संस्थाएँ और मीडिया सभी की साझा भूमिका होगी। कौशल विकास, वैकल्पिक आजीविका, जन- जागरूकता और पुनर्वास जैसे कार्यों में सामाजिक संस्थाएँ और निजी क्षेत्र सरकार के सहयोगी बन सकते हैं। यही साझेदारी इस अभियान को धरातल पर सफल बनाएगी।

यही एक न्यायपूर्ण और मानवीय एंडगेम की पहचान होगी साथ ही यह भी समझना होगा कि केवल पूर्ण प्रतिबंध हमेशा समाधान नहीं होता। यदि पर्याप्त तैयारी, वैकल्पिक व्यवस्था और प्रभावी निगरानी के बिना

कठोर प्रतिबंध लागू किए जाते हैं, तो अवैध तस्करी, नकली उत्पादों का काला बाज़ार और संगठित अपराध बढ़ने का खतरा रहता है।कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान कई क्षेत्रों में अवैध आपूर्ति और काला बाज़ार जैसी चुनौतियाँ सामने आई थीं।इसलिए तंबाकू एंडगेम रणनीति के साथ मजबूत कानून, सीमा निगरानी, डिजिटल ट्रैकिंग, प्रभावी प्रवर्तन और व्यापक जन- जागरूकता अभियान समान रूप से आवश्यक होंगे।

तंबाकू और निकोटीन एंडगेम केवल स्वास्थ्य सुधार का विषय नहीं

बल्कि आर्थिक विकास की भी आधारशिला है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला भारी खर्च घटेगा, श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ेगी, परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा और देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी। आज आवश्यकता किसी अव्यावहारिक घोषणा की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक, चरणबद्ध, सर्वसमावेशी और क्रियान्वयन योग्य राष्ट्रीय नीति की है। यदि सरकार, नागरिक समाज, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शिक्षण संस्थान, निजी क्षेत्र, मीडिया और आम नागरिक साझा जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें, तो आने वाले वर्षों में भारत तंबाकू और निकोटीन से होने वाले नुकसान को उल्लेखनीय रूप से कम कर सकता है। तंबाकू और निकोटीन मुक्त भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित, स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की अनिवार्य शर्त है। यही समय है, कि हम जल्दबाज़ी में अव्यावहारिक लक्ष्य तय करने के बजाय दूरदर्शी सोच, मजबूत जनभागीदारी और चरणबद्ध कार्ययोजना के साथ इस दिशा में ठोस कदम बढ़ाएँ।

इस संशोधन में आपके चारों सुझाव शामिल कर दिए गए हैं— दिसंबर 2030 जैसी अव्यावहारिक समयसीमा के बजाय चरणबद्ध रोडमैप।

सरकार के साथ ठग्रह्ड, सिविल सोसायटी, उरफ, निजी क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थानों की स्पष्ट भूमिका। तंबाकू उद्योग से बाहर निकलने के लिए ठोस कार्ययोजना (वैकल्पिक फसल, कौशल विकास, रोजगार आदि)।

पूर्ण प्रतिबंध से अवैध तस्करी और काला बाज़ार की चुनौती का संतुलित उल्लेख।

विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान में नागरिक बढ़-चढ़कर लें हिस्सा : कार्यसम्राट नगरसेवक शैलेश पाटिल की अपील

● SIR-2026 के तहत घर-घर पहुंच रहे BLO, समय पर फॉर्म भरकर अपना मतदान अधिकार सुरक्षित रखने का आह्वान

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/दीवा। विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण (रक्क्र-2026) के अंतर्गत प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेकर सहयोग करें, ऐसी अपील कार्यसम्राट नगरसेवक शैलेश पाटिल ने की है।

इस अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन, आवेदन पत्र वितरण तथा भरे हुए आवेदन स्वीकार करने का कार्य कर रहे हैं। नगरसेवक शैलेश पाटिल ने नागरिकों से अपील की है कि इछड द्वारा दिए गए फॉर्म को सावधानीपूर्वक भरकर हस्ताक्षर सहित निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करें।

घर बैठे मिलेगा रोजगार, अब लेबर चौक पर घंटों इंतजार नहीं

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। अब निर्माण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को काम की तलाश में लेबर चौक पर घंटों खड़े रहने की जरूरत नहीं होगी। राजस्थान श्रम विभाग ने श्रमिकों को घर बैठे रोजगार उपलब्ध कराने और आम लोगों को जरूरत के अनुसार कुशल श्रमिक आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'श्रम सेतु' और 'लेबर चौक' मोबाइल एप शुरू किए हैं।

श्रम कल्याण अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि इन एप के जरिए श्रमिक अपनी कार्यकुशलता, अनुभव और विशेषज्ञता का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। वहीं नियोक्ता अपनी आवश्यकता के अनुसार राजमिस्त्री, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, बढ़ई, पेंटर, माली सहित अन्य कुशल एवं अकुशल श्रमिकों की मांग ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। दोनों पक्ष मजदूरी, कार्य अवधि और अन्य शर्तों पर सीधे बातचीत कर सकेंगे, जिससे रोजगार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और सुविधाजनक बनेगी।

उन्होंने बताया कि श्रम विभाग में वर्तमान में 79,889 पंजीकृत श्रमिक हैं। अब इन्हें पंजीयन, श्रमिक कार्ड डाउनलोड करने या अन्य सेवाओं के लिए कार्यालय अथवा ई-मित्र के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अधिकांश सेवाएं मोबाइल एप के माध्यम से ही उपलब्ध होंगी।

बजट स्वीकृत के 11महीने बाद भी रा उ मा वि पादर का भवन निर्माण की शरूआत नहीं हो पाई

चमकता राजस्थान/हीराराम सैन। सि-रोही जिले के रेवदर पंचायत समिति की पादर ग्राम पंचायत की रा उ मा विधालय पादर का शिक्षण कार्य किराये के भवन में चलाने को मजबूर पादर विधालय वही रा उ मा विधालय के भवन निर्माण को क्या मालूम किसकी नजर लगी जो करीब 11महीने पहले बजट स्वीकृत होने के बाद भी चालू नहीं हो स्का रा उ मा वि पादर के भवन निर्माण ' बजट एक करोड़ पंचाची लाख उन्तीस हजार छ सौ उन अच्ची रुपए स्वीकृत हुए जिसमे दिनाक 25/8/2025को कार्य शुरू कर25/8/26को कार्य पूर्ण करने का वर्क ऑडर शिवम इंजीनियर के नाम जारी हुआ ठेकेदार व जिला शिक्षा प्रसासन की मिली भगत से आज तक कार्य चालू नहीं हो स्का जिसमे ठेकेदार ने अधिकारियो से मिल कर वापस12/4/26से कार्य प्रारम्भ० 12/4/27 कार्य पूर्ण वापस दूसरा वर्क ऑडर जारी करवा दिया अब जबकि 11महीने के बाद भी कार्य चालू नहीं होने से पादर के ग्रामीणों में रोष भरा पड़ा है

गत दिनों यह मामला मिडिया में आने पर जिला कलेक्टर ने तुरंत प्रभाव से रेवदर र्शे को यह मसला देखने को कहा रेवदर र्शे श्री राजन कुमार लोहिया दो बार विजिट कर ठेकेदार का लताड़ा पर आज तक कार्य शुरू नहीं हुआ वही विधालय पादर ने ठेकेदार के खिलाप एक बार नोटिस भी निकला पर जिला शिक्षा विभाग की आँखे बंद इस संबध में जिला शिक्षा अधिकारी से बात करने पर उन्होने खा की यह मामला उप जिला शिक्षा अधिकारी कांतिलाल आर्य देखते है पर उपजिला शिक्षा अधिकारी को फोन उठाने का समय नहीं

» रा उ मा वि पादर केभवन निर्माण संबधित मामले में उपजिला शिक्षाधिकारी कांतिलाल आर्य से बात करे

● **महेंद्र कुमार नैनीवाल**

» पादर रा उ मा वि के भवन निर्माण संबधित ठेकेदार को नोटिस देकर सूचित पर कार्य शुरू नहीं हुआ अभी बारिश का मौसम होने से बच्चो की परेशानी देखि नहीं जाती

सुरेश कुमार

● **प्रधानापक पादर**

राजस्थान को वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने पर जोर

शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा सहित अन्य नए स्थलों पर किया जाए फोकस: उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को अब केवल 6 महीने नहीं, बल्कि वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए जयपुर, जोधपुर और उदयपुर के साथ-साथ शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भरतपुर और पुष्कर जैसे पर्यटन स्थलों को भी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में एक्सप्लोर किया जाए।

दिया कुमारी रविवार को जयपुर के कूकस स्थित एक होटल में आयोजित इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहले से ही विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन राजस्थान की ब्रांड पहचान को और विस्तार देने के लिए अन्य पर्यटन स्थलों को भी इस मानचित्र पर लाना आवश्यक है। शेखावाटी की हवेलियां, जैसलमेर का रेगिस्तान, बांसवाड़ा-डूंगरपुर की प्राकृतिक सुंदरता, भरतपुर का वन्यजीव और पुष्कर की धार्मिक आभा - ये सभी स्थल वेडिंग टूरिज्म के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वेडिंग टूरिज्म को वर्षभर बढ़ावा मिलने से स्थानीय कारीगरों, होटल, ट्रांसपोर्ट और इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मेघवाल समाज चामू की तरफ से पाटौदी बस-कार हादसे में जान गंवाने वाले चार सगे भाइयों के परिवार को सौंपी सहायता राशि

चमकता राजस्थान

राजू भाई सागासनी। पाटोदी में बस कार भिड़ंत में कोडुका निवासी चार सगे भाइयों की दुखद मौत हो गई । चार भाई कमाने वाले थे चार ही चल बसे। अब परिवार के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया। सात छोटे - छोटे बच्चे , बूढ़े माता-पिता एवं 95 वर्षीय दादीमाँ के अलावा घर में कोई कमाने वाले नहीं है। इंसानियत के नाते सभी ने अलग -अलग जगह सहायता हेतु मुहिम चलाई। उसी कड़ी में पंचायत समिति चामू क्षेत्र में इस परिवार के लिए मुहिम शुरू की गई । इस मुहिम के तहत 17400 रुपये की राशि एकत्रित हुए। जो रविवार को समाज के प्रतिनिधि मंडल की सहायता से पीड़ित परिवार तक पहुंचाई गई। प्रतिनिधि मंडल के सदस्य समाजसेवी जोगाराम कड़ेला, हीराराम कड़ेला, कुम्भाराम पँवार, भगाराम पँवार, अध्यापक प्रेमाराम पँवार ने पीड़ित परिवार के बच्चों, मृतकों के परिवार से प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर माता-पिता व दादीमाँ को ढाढस बंधाया व भोळावण दी।

सेवा भारती के बाल संस्कार केन्द्रों के 65 भैया-बहनों को नोटबुक वितरित

चमकता राजस्थान

जयपुर। सेवा भारती द्वारा संचालित एकलव्य बाल संस्कार केन्द्र छोटी रानी व डॉ. अंबेडकर बाल संस्कार केन्द्र इटंदरा चारणान के 65 भैया-बहनों को नोटबुक वितरित की गईं।

नोटबुक श्रीमती कांता देवी सुभाष जी खीमावत चेरिटेबल ट्रस्ट खिमेल द्वारा भेंट की गईं। वितरण सेवा भारती के प्रांत सहमंत्री विजय सिंह माली व जिला मंत्री शंकर लाल मालवीय के करकमलों से किया गया।

● कार्यक्रम की झलकियां

सेवा भारती खंड सह संयोजक शेष कुमार ने बताया कि माली ने बच्चों को नियमित विद्यालय जाने, अध्ययन करने और संस्कारों का महत्व समझाया।

इस अवसर पर केन्द्र के भैया-बहनों ने दीप मंत्र, गायत्री मंत्र, वेदमंत्र, गुरु महिमा व भजनों की प्रस्तुति दी, जिसे माली ने सराहा।

● उपस्थिति

कार्यक्रम में मीठा लाल, प्रकाश कुमार, प्रकल्प शिक्षिका आशा व ललिता उपस्थित रहीं। जिला सेवा प्रमुख गोविंद वैष्णव व खंड सेवा प्रमुख चंपालाल कुमावत ने ट्रस्ट व भंवरलाल गजराज जी खीमावत का आभार व्यक्त किया।

● सेवा भारती का उद्देश्य

सेवा भारती 'नर सेवा नारायण सेवा' के ध्येय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन व सामाजिक आयाम में सेवा कार्य करती है।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्डकप में ब्रॉन्ज जीता, फ्रांस हारा

साका की हैट्रिक, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

मियामी गार्डन्स। इंग्लैंड ने फ़ुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी। इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं। इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं।

हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

मैच में खास

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया। इंग्लैंड के लिए वर्ल्ड कप का सबसे तेज गोल अब भी ब्रायन रॉब्सन के नाम है, जिन्होंने 1982 वर्ल्ड कप में संयोग से फ्रांस के खिलाफ ही मुकाबले के 28वें सेकेंड में गोल किया था। फ्रांस के माइकल ओलिसे ने इस वर्ल्ड कप में 7वां गोल असिस्ट किया। वे 1966 के बाद किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पेले ने 1970 वर्ल्ड कप में ब्राजील के लिए 6 असिस्ट किए थे।

तीसरे मिनट में पहला गोल आया

इंग्लैंड ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाया। तीसरे मिनट में डेक्लान राइस ने पहला गोल किया, जबकि 18वें मिनट में एजरी कॉन्सा ने बढ़त 2-0 कर दी। साका ने 37वें मिनट और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल कर इंग्लैंड को हाफ टाइम तक 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

एम्बाप्पे ने दूसरे हाफ में 2 गोल दागे

दूसरे हाफ में फ्रांस ने वापसी की कोशिश की। एम्बाप्पे ने 48वें मिनट में पहला गोल किया। 54वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने स्कोर 4-2 किया और 66वें मिनट में एम्बाप्पे ने अपना दूसरा गोल कर अंतर सिर्फ एक गोल का कर दिया।

पेनल्टी पर गोल से साका की हैट्रिक

87वें मिनट में मिले पेनल्टी को गोल में बदलकर साका ने अपनी हैट्रिक पूरी की और इंग्लैंड को राहत दिलाई। इंजरी टाइम में उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए गोल किया, लेकिन इसके तुरंत बाद जूड बेलिंगहम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की जीत तय कर दी।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं, यामागुची को मात देकर 50 मिनट में रचा इतिहास

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को जापान की अकाने यामागुची को मात देकर जापान ओपन के महिला सिंगल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। सिंधू ने सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से जीत हासिल की। इसी के साथ वह यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। सिंधू ने इसी के साथ दो साल से चले आ रहे अपने खिताबी सूखे को खत्म कर दिया है। इससे पहले दो बार की ओंलिपिक पदक विजेता ने साल 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। 2019 में विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद ये उनका पहला बड़ा खिताब है।

चार साल बाद हुआ ऐसा

सिंधू न छठी बार जापान ओपन का फाइनल खेल रहीं स्थानीय खिलाड़ी यामागुची को चार साल में पहली बार पूरे मैच में मात दी है। 2022 में उन्होंने यामागुची को पूरा मैच खेलने के बाद हराया था। वहीं इसी साल की शुरुआत में भी वह यामागुची से मलेशिया ओपन में जीती थीं, लेकिन यहां जापानी खिलाड़ी रिटायर हुई थीं।

50 मिनट में रचा इतिहास

सिंधू ने 50 मिनट में ही मैच अपने नाम किया। उन्होंने शुरुआत से ही यामागुची पर पकड़ बनाई और उनको दबाव में रखा। उन्होंने मैच को अपने नियंत्रण में रखा। उनके खेल में रणनीति साफ नजर आ रही थी। वह ओवर अटैक से बचते हुए समय-समय पर अटैक कर यामागुची को हैरान कर रही थीं। जब भी यामागुची ने वापसी की सिंधू ने अपना अटैकिंग गेम बाहर निकाला और उन्हें रोके रखा। सिंधू के दमदार स्मैश और नेट गेम इस मैच में निर्णायक साबित हुए। सिंधू पहले गेम में 3-0 से आगे थीं। यामागुची ने फिर स्कोर बराबर कर लिया। फिर स्कोर 5-5 हो गया। यहां से सिंधू ने कंट्रोल ले लिया और 8-6 से आगे हो गईं। यामागुची ने वापसी करते हुए फिर स्कोर 9-9 से बराबर कर दिया। ब्रेक में यामागुची 11-9 की बढ़त के साथ गईं। ब्रेक से आते ही सिंधू ने पहले स्कोर बराबर किया और फिर 13-12 से लीड ले ली। ये स्कोर लाइन 16-12 तक पहुंची और यामागुची पीछे ही छूटती चली गईं। पहला गेम सिंधू के नाम हो गया।

दूसरे गेम में भी जारी रखी लय

सिंधू ने पहले गेम के आखिर में जो लय हासिल की थी उसे दूसरे गेम में भी जारी रखा। उन्होंने लगातार छह अंक लेते हुए 8-3 की बढ़त ले ली। यहां सिंधू की गलतियों और अपने खेल से यामागुची ने चार अंक लिए अपने अंकों की संख्या तीन से सात कर ली, लेकिन वह ब्रेक में सिंधू को 11-7 की बढ़त के साथ जाने से नहीं रोक पाईं। ब्रेक के बाद सिंधू ने इस बढ़त को 14-7 किया। यामागुची ने गेम के आखिरी में कुछ अंक जरूर लिए लेकिन वह गेम और मैच दोनों गंवा बैठीं।

यू मुम्बा ने जीता यूटीटी जूनियर खिताब

पणजी। अहोना रे और सोमदेव सेनगुप्ता के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यू मुम्बा टीटी ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में दबंग दिल्ली को 5-2 से हराकर अपना पहला ड्रीम यूटीटी जूनियर्स खिताब जीता। पिछले साल यू मुम्बा पहले सीज़न में रनर-अप रही थी। अहोना ने गर्ल्स सिंगल्स के निर्णायक मैच में श्रीजानी चक्रवर्ती को 11-4 से हराकर यू मुम्बा के लिए खिताब पक्का किया और एक और यादगार हफ़्ता पूरा किया। इस मौके पर अहोना ने कहा, ''खिताब जीतना रोमांचक है। यह पूरी टीम की कोशिश थी और सोमदेव, हमारे कोच और पूरे सपोर्ट स्टाफ़ के बिना यह मुमकिन नहीं होता। हमारे कोच ने हमें याद दिलाया कि पिछले साल यू मुम्बा रनर-अप रही थी और हमसे कहा कि बाहर जाएं, मज़ा करें और अपना खेल खेलें। मैं सभी की शुक्रगुज़ार हूं। सीनियर खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग करना भी बहुत अच्छा अनुभव रहा है। वे बहुत मददगार रहे हैं।'' इससे पहले, सोमदेव ने हिमोन मोंडल पर 2-1 की शानदार जीत के साथ टीम के लिए मज़बूत शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने अहोना के साथ मिलकर एक और तीन-गेम वाले मुक़ाबले में मिक्स्ड डबल्स का मैच जीता। इन जीतों ने यू मुम्बा को बड़ी बढ़त दिलाई और फिर अहोना ने शानदार अंदाज़ में जीत पक्की की।

रानी के पेट से नहीं निकलता है पीएम

राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का तंज

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखा राजनीतिक हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अब भी वंशवादी राजनीति की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। लोकतंत्र में प्रधानमंत्री किसी राजघराने से नहीं, बल्कि जनता के जनादेश से बनता है। मीडिया से बातचीत के दौरान गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें अब भी लगता है कि केवल नेहरू-गांधी परिवार का व्यक्ति ही देश का

प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि यही सोच उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार चुनावी सफलता स्वीकार करने से रोकती है। उनके दिमाग में ही यह बैठ गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी इस बात से परेशान हैं कि एक साधारण परिवार से आने वाला, कभी चाय बेचने वाला और अतिपिछड़े समाज का व्यक्ति लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बना है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को समझना चाहिए कि यह राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है। यहां प्रधानमंत्री रानी के पेट से नहीं, जनता के पेट से निकलता है। जनता जिसे अपना आशीर्वाद देती है, वही देश का नेतृत्व करता है। गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक छवि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान बढ़ा है और यह किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे भारत का सम्मान है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा से भी परेशानी होती है, जबकि उन्हें देश की उपलब्धियों पर गर्व होना चाहिए। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी राहुल गांधी के पेपर लीक संबंधी बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। सरावगी ने तंज कसते हुए कहा था कि राहुल गांधी को पेपर लीक की काफी जानकारी है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा, शायद उन्होंने इस विषय पर काफी अध्ययन किया है या फिर उनके लोग इसमें संलिप्त रहे होंगे।

बिहार में एक ही परिवार के 3 सदस्यों ने की आत्महत्या

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर गांव में पारिवारिक कलह ने खौफनाक रूप ले लिया. ससुर और बहू के बीच कथित अवैध संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई. पूरे मामले ने गांव में सनसनी फैला दी है. मृतकों में 62 वर्षीय दिलचंद्र तांती (ससुर), उनकी 30 वर्षीय बहू गौरी देवी और गौरी देवी के पति रंजीत कुमार शामिल हैं. दिलचंद्र तांती ने फंदे से लटककर आत्महत्या की, जबकि गौरी देवी और रंजीत कुमार ने जहर खा लिया. तीनों की मौत इलाज के दौरान हो गई. हिलसा डीएसपी सुनील कुमार सिंह के अनुसार, यह पूरी घटना ससुर दिलचंद्र तांती और बहू गौरी देवी के बीच कथित अवैध संबंध से जुड़ी है. बेटे रंजीत कुमार को इस बात की जानकारी होने पर पिता से विवाद हो गया. आक्रोश में रंजीत कुमार ने खुद जहर खा लिया और अपनी पत्नी गौरी देवी को भी जहर खिला दिया. डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि यह पूरी घटना ससुर और बहू के बीच अवैध संबंध से जुड़ी हुई बताई जा रही है. इसी बात को लेकर बेटे का अपने पिता से विवाद हुआ था, जिसके बाद आक्रोशित होकर बेटे ने खुद भी जहर खा लिया और अपनी पत्नी को भी जहर खिला दिया. वहीं पिता ने भी आत्महत्या कर ली।

सोनम वांगचुक को खेसारी लाल यादव ने दिया समर्थन

कहा- 'बच्चों के भविष्य के लिए उनकी लड़ाई'

पटना। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक कई दिन से दिल्ली के जंतर मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हुए थे। 21वें दिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवा दिया, जहां डॉक्टर उनकी सेहत की निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल प्रशासन सोनम वांगचुक की हेल्थ को लेकर अपडेट भी शेयर कर रहा है। इस बीच बिहार से भोजपुरी सिनेमा के स्टार खेसारी लाल यादव ने सोनम वांगचुक का समर्थन किया है। खेसारी लाल यादव ने कहा, 'यह सिर्फ उनकी लड़ाई नहीं है, बल्कि देश के हर उस माता-पिता की लड़ाई है, जो अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से बिहार चुनाव लड़ चुके खेसारी लाल यादव ने कहा कि सोनम वांगचुक के इस आंदोलन में सभी लोगों को आगे आकर समर्थन देना चाहिए। इस दौरान खेसारी लाल यादव ने बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर को भी अपनी समर्थन दे दिया। बांकीपुर में पीके का समर्थन करते हुए खेसारी लाल ने कहा कि प्रशांत किशोर एक पढ़े-लिखे और विजन वाले नेता हैं। देश और विधानसभा को ऐसे ही नेताओं की जरूरत है जो आम जनता की लड़ाई लड़ सकें। उन्होंने कहा कि मैं तो पहले से ही पीके का फैन हूं। खेसारी लाल यादव ने साफ तौर पर कहा कि बांकीपुर की जनता को खुद तय करना चाहिए कि उन्हें कैसा नेता चाहिए, किसी के प्रचार से वोट नहीं देना चाहिए। उन्होंने खुद को कम पढ़ा-लिखा बताते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि पढ़े-लिखे लोग सदन में जाएं, ताकि वे बेहतर फैसले ले सकें। लालू प्रसाद यादव की तबीयत को लेकर भी खेसारी लाल यादव ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लालू यादव की सेहत को लेकर मेरी शुभकामनाएं हैं। जब तक मैं जिंदा हूं, उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर बना रहे, यही मेरी कामना है।

बागमती नदी में 40 लोगों से भरी ओवरलोड नाव पलटी, सभी सुरक्षित

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी में नाव डूबने का लाइव वीडियो सामने आया है। रुन्नीसैदपुर प्रखंड क्षेत्र के बागमती नदी स्थित खड़का घाट पर आज रविवार (19 जुलाई) को एक भयानक नाव हादसा होते-होते टल गया। दरअसल, क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जा रही एक नाव नदी में थोड़ी दूर आगे बढ़ी ही थी कि असंतुलित होकर पलट गई, जिससे मौके पर चीख-पुकार और

अफरा-तफरी मच गई। गनीमत ये रही कि घाट पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बिना वक्त गंवाए राहत और बचाव काम शुरू कर दिया, जिसकी बदौलत नाव पर सवार सभी 40 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के कारणों को लेकर मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाव पर उसकी क्षमता से कहीं अधिक लोग सवार थे। करीब 40 यात्रियों के बोझ के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह बीच नदी की तेज धारा में पलट गई। जैसे ही नाव पलटी, नदी के किनारे और आसपास मौजूद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और तैराकों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। नाव पलटते ही घाट पर मौजूद ग्रामीण तुरंत नदी में कूद पड़े।

ग्रामीणों की तत्परता से पानी में डूब रहे सभी 40 यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। लसबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद किसी भी यात्री की जान नहीं गई।

सीएम योगी ने किया 200 करोड़ की लागत से बने एसडीएमए के नए मुख्यालय का उद्घाटन

लखनऊ। 200 करोड़ से ज्यादा की लागत से गोमती नगर विस्तार स्थित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नए मुख्यालय भवन का रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकार्पण किया. उद्घाटन के बाद लखनऊ को आधुनिक आपदा प्रबंधन की बड़ी सौगात मिली है. 247 स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर से निगरानी होगी. ये नया भवन 200 से ज्यादा सीटों वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, क्लासरूम, लेक्चर हॉल, हॉस्टल और लाइब्रेरी से लैस है. राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली को डिजिटल कमांड, कंट्रोल और कोऑर्डिनेशन सेंटर मिला है. कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक लंबे अंतराल के बाद ये भवन बनकर आज तैयार है और अब अपनी पूरी क्षमता के साथ उत्तर प्रदेश को किसी भी आपदा से होने वाले जनधन की हानि को न्यूनतम स्तर तक पहुंचाने के लिए अपना योगदान देने के लिए भी तैयार है. हम लोग

अक्सर आपदा आने के बाद जन और धन की व्यापक हानि के बाद तब सक्रिय होते हुए दिखाई देते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं. जबकि मेरा मानना है कि आपदा के प्रति हमारी पहले से ही सतर्कता, पहले से ही तैयारी और पहले से ही जागरूकता इस जन और धन की हानि को न्यूनतम स्तर तक ला सकती है. यह हम लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा भी होना चाहिए. कहा कि स्कूली पाठ्यक्रम का हो या परिवारों के बीच में भी आपसी संवाद के माध्यम से इन सब बातों को बताए जाने की आवश्यकता है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें याद है कि बचपन में सामान्य स्कूली कार्यक्रमों का माध्यम से भी और परिवारों में भी इस बात की चर्चा होती थी कि आग लग जाए तो क्या करना चाहिए. भूकंप आ जाए तो उस समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए. नदी में बाढ़ का पानी है उस समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें ट्रेनिंग पर ध्यान देना चाहिए. हम 45000 होमगार्ड की प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं. आपदा मित्र जिन्हें हमने ट्रेनिंग दी है उन्हें हम होमगार्ड की भर्ती में प्राथमिकता देंगे. जो होमगार्ड भर्ती होंगे उन्हें भी हम आपदा मित्र की ट्रेनिंग देंगे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने का की स्कूलों में भी हमें जागरूकता कार्यक्रम करने चाहिए. उन्हें आपदा के बारे में जानकारी देनी चाहिए. किस-किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए, इसके बारे में अवगत कराना चाहिए. इससे देश की बहुत बड़ी सेवा हो सकती है. आपदाएं कई प्रकार की होती हैं. प्राकृतिक आपदा जिनमें बाढ़ और लाइटनिंग की घटना है. अतिवृष्टि के कारण होने वाली जनधन की हानि, मानव की असावधानी से होने वाली आपदाएं, अग्निकांड की घटनाएं या किसी भवन के गलत डिजाइनिंग के कारण या किसी दुर्घटना के कारण भवन का धराशाई हो जाना, यह सभी घटनाएं होती हैं. इसके साथ ही कुछ ऐसी भी आपदाएं हैं, जिन्हें आदि भौतिक आपदा के रूप में ले सकते हैं. यानी किसी जीव के द्वारा पहुंचाई जाने वाले हानि. मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने मानव वन्य जीव द्वंद्व को भी आपदा की श्रेणी में लेकर उन लोगों को राहत देने का कार्य किया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने मानसून सत्र के हंगामेदार होने की जताई आशंका

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया है. पोस्ट के माध्यम से मायावती ने सांसद में हंगामा होने की आशंका जताई है. कहा कि राम मंदिर से लेकर देश भर में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें विपक्ष संसद में जरूर रखेगा और इससे लोगों को सदन में हंगामा होने के आसार ज्यादा नजर आ रहे हैं. हालांकि, मायावती ने सुझाव दिया है कि सदन शांतिपूर्ण ढंग से चले तो कई मुद्दों पर जनता से जुड़ी बात रखी जा सकती है. जनता से जुड़े मुद्दे सदन में चर्चा के लिए रखे जा सकते हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने पोस्ट किया कि अब जबकि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है. एक बार फिर यह देश व आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

बनारस में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, जन्मदिन पर लिया बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद

वाराणसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने जन्मदिन पर दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी में हैं. यह उनका धार्मिक दौरा है, जहां उन्होंने वाराणसी पहुंचकर सबसे पहले मां विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाई और उसके बाद गंगा आरती में शामिल हुईं. आज दूसरे दिन उन्होंने बाबा काल भैरव का आशीर्वाद लेने के साथ बाबा विश्वनाथ के दरबार में मत्था टेका. इस मौके पर वे बनारसी रंग में रंगी नजर आईं, उन्होंने काशी की प्रसिद्ध चाय के साथ मक्खन टोस्ट का भी आनंद लिया. बता दें कि, अपने जन्मदिन के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सपरिवार वाराणसी आईं हैं, जहां आज वह सबसे पहले बाबा काल भैरव के दरबार पहुंचीं. रास्ते में पार्टी कार्यकर्ताओं के जरिए उनका स्वागत किया गया. उसके बाद काल भैरव में उन्होंने विशेष दर्शन पूजन किया. बाबा कोतवाल का आशीर्वाद लेकर वह बाबा विश्वनाथ के दरबार की ओर रवाना हुईं, जहां उन्होंने हाजिरी लगाई. इस मौके पर उन्होंने विशेष

पूजा अर्चना की और कॉरिडोर का भ्रमण किया. मीडिया से बातचीत में सीएम ने कहा कि,अपने जन्मदिन के मौके पर वह प्रभु का आशीर्वाद लेने यहां आई हैं. उनका यह दौरा पूरी तरह से धार्मिक है. यहां आकर उन्हें बेहद सुकून मिल रहा है. उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ से हमने समस्त दिल्लीवासियों और देशवासियों के लिए आशीर्वाद की कामना की हैं. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कामना की कि उनके मार्गदर्शन में देश आगे बढ़ता रहे. दिल्ली विकास के नए आयाम छुए. रेखा गुप्ता ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वाराणसी के नागरिकों से मिले अपार स्नेह, प्यार और आत्मीय स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद दिया. बताते चलें कि बाबा विश्वनाथ में दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने वाराणसी के अत्यंत प्रसिद्ध 'लक्ष्मी चाय भंडार' पर रुककर वहां की स्पेशल चाय का आनंद लिया और दुकान के संचालक के प्रति विशेष रूप से आभार ज्ञापित किया. इसके पहले बीते दिन वह मां विंध्यवासिनी के दरबार गईं थीं और उसके बाद देर शाम नमो घाट पहुंचकर नाव के जरिए बनारस के घाटों का दीदार किया. उसके बाद काशी के दशाश्वमेध पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में भी सहभागिता दर्ज कराई और मां गंगा का पूजन कर आशीर्वाद लिया था।

बिना मंजूरी सुप्रीम कोर्ट के वकील को भेजी गलत रिपोर्ट

झारखंड सरकार ने दो बड़े अफसरों को किया निलंबित

रांची। झारखंड के 606 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने संबंधित मामले में बिना सक्षम प्राधिकार के अनुमोदन के वास्तविक तथ्यों से इतर रिपोर्ट देने के मामले में झारखंड सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के दो अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई हुई है। इन अधिकारियों में विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा व अवर सचिव संजय कुमार झा शामिल हैं। कार्मिक प्रशासनिक एवं राजभाषा विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त के कार्यालय में योगदान देने का आदेश हुआ है तो अवर सचिव संजय कुमार झा को कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग में योगदान देने का आदेश हुआ है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा पर आरोप है कि उन्होंने राज्य के थानों में लगाए जाने वाले सीसीटीवी से संबंधित मामले में बिना सक्षम प्राधिकार के

अनुमोदन के वास्तविक तथ्यों से इतर रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को भेज दी। इसके कारण पुरानी रिपोर्ट निरस्त करने एवं नए सिरे से रिपोर्ट भेजने की स्थिति उत्पन्न हुई। इसके बाद ही उन्हें गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त अनुशंसा के आलोक में झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय में होगा। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव संजय कुमार झा के विरुद्ध निलंबन आदेश में लिखा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय से पारित आदेश के अनुपालन के लिए झारखंड राज्य के सभी थाना में सीसीटीवी लगने हैं। इससे संबंधित मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अमिकस क्यूरी के रूप में वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को नियुक्त किया है। 11 जुलाई को सभी राज्यों के गृह सचिव एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ इस मामले में सिद्धार्थ दवे ने बैठक भी की थी। बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में उच्च अधिकारियों के माध्यम से दिए गए आदेश की अवहेलना करते हुए गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव संजय कुमार झा ने अपने स्तर से ई-मेल के माध्यम से सिद्धार्थ दवे के कार्यालय को रिपोर्ट उपलब्ध करा दिया। जबकि, उक्त रिपोर्ट सूचना, प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग से प्राप्त किए जाने का निर्देश दिया गया था। इनपर उच्च अधिकारियों के माध्यम से दिए गए निर्देश की अवहेलना करने, संवेदनशील मुद्दे पर लापरवाही बरतने व स्वेच्छाचारिता के आरोप की पुष्टि हुई है। इसी आरोप में निलंबित करते हुए उन्हें कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग में योगदान देने की कार्रवाई हुई है। राज्य के 606 थानों में 134 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगने हैं। इसके लिए हेमंत कैबिनेट ने इसी वर्ष जनवरी 2026 को इसके लिए प्रशासनिक मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत कुल 8854 हाईटेक कैमरे लगाए जाने की योजना है। ये कैमरे आडियो-वीडियो रिकार्डिंग व नाइट विजन से लैस होंगे। कैमरे लगाने व इसे लगाने से संबंधित सभी प्रक्रिया पूरी की जानी है, जो प्रक्रियाधीन है।

झारखंड में 20 जुलाई को कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

रांची। झारखंड में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है. राज्य के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के बीच मौसम विभाग ने 20 जुलाई के लिए कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है. गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवाओं की भी आशंका जताई गई है. वहीं, पिछले 24 घंटों के मौसम के आंकड़े बताते हैं कि धनबाद समेत कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज हुई, जबकि कुछ इलाकों में तापमान सामान्य से ऊपर रहा. ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की जरूरत है। 20 जुलाई को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहने का अनुमान है. हजारीबाग, रामगढ़, रांची, लोहरदगा, चतरा और लातेहार जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है. इसके साथ ही कई इलाकों में मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं का असर देखने को मिल सकता है।

मानसून और श्रावणी मेले के लिए एनडीआरएफ अलर्ट

रांची, जमशेदपुर और देवघर में तीन टीमें तैनात

रांची। झारखंड में सक्रिय मानसून और श्रावणी मेले के दौरान संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है. राज्य के तीन प्रमुख स्थानों रांची, जमशेदपुर और देवघर में एनडीआरएफ की विशेष टीमों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है. इन टीमों को बाढ़, नदी और जलाशयों में होने वाली दुर्घटनाओं, जलभराव, भूस्खलन तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से त्वरित राहत और बचाव कार्य के लिए तैनात किया गया है. एनडीआरएफ के अधिकारियों के अनुसार तीनों टीमें आधुनिक बचाव उपकरणों और प्रशिक्षित जवानों से पूरी तरह लैस हैं. टीमों के पास मोटर बोट, लाइफ जैकेट, डीप डाइविंग उपकरण, रस्सी बचाव किट, मेडिकल सहायता सामग्री, संचार उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं. किसी भी आपदा की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर सकेगी. श्रावणी मेले के दौरान देवघर में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है. वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य की नदियों का जलस्तर बढ़ने और जलभराव की स्थिति बनने की आशंका भी बनी हुई है.

ऐसे में एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ समन्वय बनाकर लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है. झारखंड की बरसाती नदियां, तेज बहाव, पथरीले जलस्त्रोत और अचानक बढ़ने वाला जलस्तर राहत एवं बचाव कार्यों के लिए बड़ी चुनौती माने जाते हैं. इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एनडीआरएफ की टीमों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है. जवानों को तेज बहाव वाले पानी, संकरे घाटों और पथरीले इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन संचालित करने का अनुभव है. एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट विनय कुमार ने कहा कि मानसून और श्रावणी मेले को देखते हुए रांची, जमशेदपुर और देवघर में हमारी तीन टीमें तैनात की जा रही हैं. सभी टीमें आधुनिक उपकरणों और आवश्यक संसाधनों से पूरी तरह सुसज्जित हैं. झारखंड की बरसाती नदियों और पथरीले जलस्त्रोतों की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हमारे जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है. किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ पूरी तरह तैयार है. एनडीआरएफ ने लोगों से भी अपील की है कि बारिश के दौरान उफनती नदियों, नालों और जलाशयों के पास जाने से बचें. प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन या आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना दें.

इससे दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा और राहत कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकेंगे।

घर से महिला का शव बरामद, परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

गिरिडीह। जिले के देवरी थाना अंतर्गत नयासांखो गांव में एक 24 वर्षीय महिला शेंपू देवी की लाश उसके घर से बरामद हुआ है. मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है. मृतका के दो बच्चे चार वर्ष का पुत्र और एक वर्ष की पुत्री है. परिजनों का कहना है कि हत्या कर लाश को आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश की गई है. मृतका के भाई आशीष चौबे ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी बहन शेंपू देवी की शादी तिलयडीह गांव के बसंत तिवारी के साथ हुई थी. विवाह के बाद सोने की चेन की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के द्वारा शेंपू देवी को प्रताड़ित किया जा रहा था. चेन की मांग पूरी करने के बाद पैसे की मांग की जाने लगी. इसे लेकर लगातार विवाद किया जा रहा था. इस बीच शेंपू के पति के द्वारा फोन पर बताया गया कि शेंपू देवी ने आत्महत्या कर ली है. सूचना पर तिलयडीह पहुंचने पर पता चला कि शेंपू देवी की हत्या कर शव आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई. आशीष चौबे ने कहा कि मृतका के पति बसंत कुमार तिवारी के उकसावे पर उसके घर के सदस्यों के द्वारा हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया है. इधर घटना की सूचना पर देवरी थाना के एएसआई राधेश्याम चौधरी मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया गया है. मौके पर मौजूद एएसआई राधेश्याम चौधरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, उसके बाद ही सही वजह सामने आएगी कि आखिर शेंपू देवी की मौत कैसे हुई. पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वाले जो भी आवेदन देंगे, उसपर एफआईआर दर्ज होगी. हालांकि ससुराल पक्ष के लोग हत्या के आरोपों से इंकार कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

नागपुर में ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरणों की मौत, मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर हुआ हादसा

नागपुर। नागपुर के कन्हान में एक हादसे में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरनों की मौत हो गई। घटना कन्हान रेलवे स्टेशन के तुकारामनगर क्षेत्र में हुई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया। बताया जा रहा है कि हिरणों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से 6 हिरणों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत हिरणों में पांच मादा और एक नर का शव बरामद किया गया है। वन विभाग की टीम ने मृत हिरणों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नागपुर जिले में मुंबई-हावड़ा मेन लाइन पर कन्हान रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से छह हिरणों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा यहां से लगभग 30 किलोमीटर दूर तुकाराम नगर इलाके में सुबह 4 बजे से 5 बजे के बीच हुआ। हादसा तब हुआ जब हिरणों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान कुछ जंगली जानवर तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। कन्हान पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि इस टक्कर में पांच मादा और एक नर हिरण की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने थोड़ी देर बाद रेलवे ट्रैक पर मृत अवस्था में हिरणों को देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस और वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने 'पंचनामा' (मौके का निरीक्षण) किया और शवों को अपने कब्ज़े में ले लिया।

ईरान में बढ़ी अंदरूनी कलह, कट्टरपंथियों ने राष्ट्रपति और विदेश मंत्री पर लगाया सॉफ्ट तख्तापलट का आरोप

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच अब ईरान के अंदर भी सत्ता को लेकर तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के कट्टरपंथी गुटों का आरोप है कि अमेरिका के साथ बातचीत कर समझौता करने वाले नेता इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ सॉफ्ट तख्तापलट की कोशिश कर रहे हैं. उनका कहना है कि नए सुप्रीम लीडर को किनारे कर सत्ता कुछ नेताओं के हाथ में जा रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, यह आरोप उस समय और तेज हो गया जब ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में कट्टरपंथी समर्थकों ने सरकार के खिलाफ खुलकर नाराजगी दिखाई. खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के शुरुआती हमलों में मौत हो गई थी. अंतिम यात्रा के दौरान जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब कुछ लोगों ने समझौता करने वालों की मौत हो के नारे लगाए. वहीं विदेश मंत्री अब्बास अराघची पर कुछ लोगों ने पत्थर फेंके और उन्हें देश बेचने वाला गद्दार कहा. ईरानी शासन से जुड़े धार्मिक गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति पजशकियान को खुलेआम धमकी दी थी. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदय, अगर सुप्रीम लीडर की शर्तें पूरी नहीं हुईं तो हमारी तलवार होगी और आपका गला होगा. हम आपकी जिंदगी को जहन्नुम बना देंगे. कट्टरपंथी गुटों का मानना है कि सरकार को खामेनेई की मौत का बदला लेना चाहिए था, लेकिन उसने अमेरिका के साथ समझौता कर लिया. उनका आरोप है कि यह समझौता नए सुप्रीम लीडर और खामेनेई के बेटे मुज्तबा खामेनेई की इच्छा के खिलाफ किया गया. हालांकि मुज्तबा अब तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं. उन्होंने न तो देश को संबोधित किया है और न ही खुलकर अपनी भूमिका निभाई है. इसके बावजूद सरकार उनके नाम पर फैसले ले रही है. कट्टरपंथियों ने सरकार पर संसद को निलंबित करने, सुप्रीम लीडर के निर्देशों की अनदेखी करते हुए अमेरिका से बातचीत करने और रात में होने वाली समर्थकों की रैलियों को रोकने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है. ईरान के सांसद महमूद नबावियन ने खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ईरान की जनता सावधान रहे, क्या देश में तख्तापलट होने वाला है? अंतिम संस्कार के बाद उन्होंने फिर लिखा कि हम खामेनेई के खून का बदला लेने के लिए खड़े हैं और तख्तापलट के खिलाफ लड़ेंगे।

नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की तैयारी?: न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी के बयान से मचा बवाल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने कथित तौर पर एक इंटरव्यू में कहा कि उनका प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि आगामी संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के दौरान इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार किया जाए या नहीं। ममदानी के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया है। नेतन्याहू के खेमे ने इस बयान का कड़ा विरोध किया है। ममदानी ने 'न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए इंटरव्यू में कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हेग में होना चाहिए। उन्होंने हेग शहर का जिक्र किया, जहां संयुक्त राष्ट्र का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थित है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर ममदानी ने आगे कहा, वह एक युद्ध अपराधी हैं, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने आरोप लगाए हैं।

रेवाड़ी में पति-पत्नी ने फंदा लगाकर दी जान

रेवाड़ी। जिले के धारूहेड़ा क्षेत्र के गांव राजपुरा आलमगीर में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक दंपति ने अपने ही घर की छत पर बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय अशोक कुमार और उनकी 48 वर्षीय पत्नी नीलम के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार अशोक कुमार अपने परिवार के साथ रहते थे, लेकिन वह अपनी पत्नी के साथ मकान की छत पर बने कमरे में अलग रहते थे। शनिवार रात करीब साढे आठ बजे उनका बेटा कंपनी में ड्यूटी करने के बाद घर लौटा। वह जब अपने माता-पिता से मिलने के लिए छत पर बने कमरे में पहुंचा तो वहां अंधेरा था। जैसे ही उसने कमरे की लाइट जलाई, अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। कमरे में दोनों पति-पत्नी पंखे से फंदा लगाकर लटके हुए थे। यह नजारा देखते ही बेटे ने शोर मचाया, जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

मध्य प्रदेश में 15 दिन बाद पुलिस ने खत्म कराया केन-बेतवा विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों को घर भेजा

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट और अन्य विकास कार्यों के खिलाफ 3 जुलाई से चल रहा विरोध प्रदर्शन रविवार को पुलिस कार्रवाई के बाद खत्म हो गया। पुलिस ने कुपी गांव के पास बराना नदी के किनारे लगे प्रदर्शन स्थल को खाली कराकर प्रदर्शनकारियों को बसों से उनके गांवों तक पहुंचाया गया। यह आंदोलन मुख्य रूप से आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व में चल रहा था। 15 दिनों तक चले इस विरोध में प्रदर्शनकारियों ने जल सत्याग्रह, चिता सत्याग्रह और प्रतीकात्मक फांसी सत्याग्रह जैसे तरीके अपनाए। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर पिछले 11 दिनों से अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल पर थे। आंदोलन की नेता दिव्या अहिरवार ने आरोप लगाया कि रविवार सुबह करीब 5 बजे पुलिस की बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची और मीडिया से बात करने से पहले ही भटनागर और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई प्रोजेक्ट में 400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को दबाने के लिए की गई है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश ने मचाई तबाही

राजौरी में बाढ़ के हालात, पुंछ में 4 लोगों की मौत और कई लापता

राजौरी।

जम्मू कश्मीर के राजौरी में भारी बारिश की वजह से बाढ़ के हालात बन गए हैं। कई जगहों पर पानी भरा हुआ है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रात भर हुई भारी बारिश के कारण 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें और नदियों, नालों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों से दूर रहें। इसके अलावा नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है क्योंकि पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। खराब मौसम को देखते हुए पहले ही अमरनाथ यात्रा स्थगित हो चुकी है। खराब मौसम के पूर्वानुमान के चलते श्री अमरनाथजी यात्रा को पहलगाम और बाल्टल दोनों मार्गों से 19 जुलाई, 2026 से अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप का वीडियो भी सामने आया है। अमरनाथ के बाद वैष्णो देवी यात्रा भी स्थगित की जा चुकी है।

स्थानीय लोग कर रहे समस्याओं का सामना

भारी बारिश और बाढ़ के हालात की वजह से स्थानीय लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, सब कुछ खत्म हो गया है, सब कुछ चला गया है। हमारे पास जो कुछ भी था, वह सब बह गया है। एक महिला लापता है। एक और स्थानीय निवासी का कहना है, काफी नुकसान हुआ है। लगभग 200 से 250 कारें गायब हैं। यह घटना तड़के करीब 3 बजे हुई। बस स्टैंड का तो कोई नामो-निशान ही नहीं बचा है। एक और स्थानीय निवासी का कहना है, बाढ़ आने से पहले यहां कम से कम 300-400 गाड़ियां खड़ी थीं और वे सभी रात भर में बह गईं। हम प्रशासन से गुजारिश करते हैं कि कम से कम जो गाड़ियां यहां हैं, उन्हें निकालने के लिए खउइ या क्रेन भेजी जाएं। हम प्रशासन से अपील करते हैं कि इस मुश्किल समय में लोगों की मदद करें। बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है; बारिश रुकी नहीं है। राजौरी जिले में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिससे धरहल नदी का पानी ओवरफ्लो होकर न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में फैल गया। पार्किंग एरिया में बाढ़ का पानी घुसने से बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

सफदरजंग पर भरोसा नहीं, प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करें

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अगमो ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया. गीतार्जलि ने मांग की है कि सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल के बजाए दिल्ली के किसी प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया जाए. गीतार्जलि ने कहा कि उन्हें सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है. गीतांजलि ने अपनी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट से आज ही सुनवाई की मांग की है. बता दें कि सोनम का अस्पताल से भी अनशन जारी है. उनके भूख हड़ताल का आज 22वां दिन है. उन्हें 18 जुलाई को सफदरगंज अस्पतला में भर्ती कराया गया था. कुछ देर पहले सफदरजंग अस्पताल से सोनम वांगचुक का हेल्थ बुलेटिन जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि उनकी हालत स्थिर है लेकिन उन्हें फिलहाल कड़ी निगरानी में रखने की जरूरत है. उनके ब्लड पैरामीटर में बदलाव आए हैं. अनशन की वजह से उनकी सेहत लगातार खराब हो रही थी. सोनम वांगचुक लगातार 20 दिन से भूख हड़ताल पर थे. कल यानी शनिवार को उनके अनशन का 21वां दिन था।

बदरीनाथ में चढ़ावा हेराफेरी: अब 'कुबेर का खजाना' खंगालेगी पुलिस

चमोली। बदरीनाथ धाम में थाली भेंट की गणना में वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद अब पुलिस जांच का दायरा बढ़ाते हुए भगवान बदरीनाथ के "कुबेर के खजाने" तक पहुंच गई है। पुलिस ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का रिकॉर्ड तलब किया है। जांच में नकदी के साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोना, चांदी, हीरे, माणिक और अन्य बहुमूल्य आभूषणों का भी मिलान किया जाएगा। मंदिर परिसर में स्थापित 26 दानपात्रों से प्राप्त नकदी और बहुमूल्य वस्तुओं की गणना के बाद उन्हें अलग-अलग सुरक्षित बॉक्स में रखकर अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। इसे बदरीनाथ में कुबेर का खजाना कहा जाता है। इसी रिकॉर्ड की अब बारीकी से जांच होगी। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि पुलिस ने वित्तीय अभिलेखों के मिलान के लिए एक विशेषज्ञ लेखाकार भी बदरीनाथ भेजा है। वह मंदिर के खजाने में दर्ज नकदी, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य सामग्री का रिकॉर्ड से मिलान करेगा। बदरीनाथ चढ़ावे की जांच में जुटी पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को कस्टडी रिमांड में लेने के लिए न्यायालय को आवेदन किया था, मगर पुलिस को रिमांड नहीं मिल पाई है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने इसकी पुष्टि की है।

यूक्रेन का रूस पर बड़ा ड्रोन हमला

गोदाम और तेल डिपो निशाने पर, 9 की मौत

मॉस्को/कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले साढ़े चार साल से जारी जंग थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच यूक्रेन ने रूस के भीतर एक बड़ा ड्रोन हमला करते हुए मॉस्को के पास स्थित दो बड़े गोदामों और एक तेल डिपो को निशाना बनाया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इन हमलों के बाद कई जगहों पर भीषण आग लग गई। इसके बाद आसपास के इलाकों को एहतियातन खाली करा लिया गया। रूस के अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के ड्रोन ने प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें एक तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क और दूसरा मॉस्को से करीब 50 किलोमीटर दूर इलेक्ट्रोस्टाल शहर में स्थित है।

इसके अलावा नोगिंस्क स्थित एक तेल डिपो पर भी ड्रोन से हमला हुआ। हमले के बाद वहां आग लग गई और आसपास के अस्पताल व रिहायशी इमारतों को खाली कराना पड़ा। तांबोव क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि कोतोव्स्क स्थित गोदाम पर हुए हमले सात कर्मचारियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। जिस वक्त यह हमला हुआ उस वक्त नाइट शिफ्ट के कर्मचारी वहां काम कर रहे थे। वहीं मॉस्को रीजन में अलग-अलग हमलों में 37 लोग घायल हुए। बेलगोरोद रीजन में हुए एक अन्य ड्रोन हमले में भी एक व्यक्ति की मौत और एक अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि हमलों में मॉस्को और तांबोव क्षेत्रों के उन महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जहां ड्रोन और नौवहन उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित कलपुर्जों की आपूर्ति की जाती थी। उन्होंने तेल प्रतिष्ठान और रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में भी हमले किए जाने का दावा किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने रातभर में रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा क्रीमिया, आज़ोव सागर और काला सागर के ऊपर कुल 379 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। हालांकि, इसके बावजूद कई ड्रोन अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सफल रहे, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। वहीं रूस से जंग के बीच यूक्रेन के प्रधानमंत्री को बदल दिया गया है। सेरही कोरेत्स्की गुरुवार को देश का नया प्रधानमंत्री बनाया गया है। वह पीएम के पद पर यूलिया स्विरीडेंको की जगह लेने वाले हैं जिन्होंने 2025 से जुलाई 2026 तक इस पद पर सेवा की।

मध्य प्रदेश में लागू होगा यूसीसी! मोहन कैबिनेट ने लगाई मुहर

सोमवार को विधानसभा में होगा पेश

भोपाल।

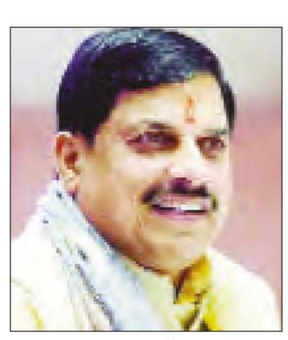

मध्य प्रदेश में 'एक देश, एक कानून' की दिशा में रविवार को एक बड़ा फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल के बाहरी इलाके जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की हुई। बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) अधिनियम 2026 के मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट से हरी झंडी मिलने के बाद अब इस विधेयक को सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा। कैबिनेट बैठक के बाद इस निर्णय की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सभी मंत्रियों ने प्रस्तावित कानून का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा, आज मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पूरे दिल से और सर्वसम्मति से समान नागरिक संहिता विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। मैं अपने सभी कैबिनेट सहयोगियों और राज्य की जनता को बधाई देता हूं। यह विधेयक अब 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान पटल पर रखे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार समानता को भारतीय सभ्यता का मूल सिद्धांत मानती है और इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर इस कानून का मसौदा तैयार किया गया है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद, राज्य सरकार सोमवार से शुरू हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र में यूसीसी विधेयक पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सदन में पेश होने के बाद, कानून बनने से पहले इस विधेयक पर विस्तृत बहस और आगे की विधायी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। प्रस्तावित कानून का मकसद नागरिक मामलों के लिए एक समान कानूनी ढांचा बनाना है, जो इस कोड के दायरे में आने वाले मामलों में अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल कानूनों की जगह लेगा। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का मकसद विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे मामलों में धर्म से परे जाकर सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करना है। वर्तमान में अलग-अलग धार्मिक समुदायों के लिए इन मामलों में अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू होते हैं। प्रस्तावित कानून का लक्ष्य इन सभी को हटाकर एक समान कानूनी ढांचा तैयार करना है।

सिक्किम में एनएच-10 पर लैंडस्लाइड, रास्ता बंद

गंगटोक। भारी बारिश के कारण सिक्किम के एनएच-10 पर भयंकर भूस्खलन हुआ है। बारडांग के पास सिंगटॉम-रंगपो सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। सड़क पर मलबा आने के कारण इस रूट पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है। लैंडस्लाइड की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। सड़क को जल्द से जल्द खोलने के लिए मलबा हटाने का जाम काम जारी है। जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से रास्ता साफ करने की कोशिश की जा रहा है।

बहुविवाह-सरकारी नौकरी साथ नहीं चल सकते

असम सीएम की चेतावनी, कहा- बहन-बेटियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

गुवाहाटी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक से ज्यादा शादी (बहुविवाह) के खिलाफ राज्य सरकार का सख्त रुख दोहराया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लिखा कि बहुविवाह जैसा अपराध और सरकारी नौकरी दोनों एक साथ नहीं चल सकते। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ऐसी प्रथाओं में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। सरकार इस सामाजिक बुराई को रोकने के लिए पूरी तरह गंभीर है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ₹हमारी बहनों और बेटियों₹ के साथ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे अन्याय करने वाला व्यक्ति कोई भी हो, उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। सीएम सरमा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब असम सरकार ने बहुविवाह के

खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है। सरकार अब बहुविवाह करने वाले सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करने की तैयारी में है। इसके लिए असम सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1964 में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है। वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने बजट भाषण में इसकी घोषणा थी। सरकार का कहना है कि यह फैसला महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और जवाबदेह पारिवारिक व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया जा रहा है। हिमंत बिस्वा सरमा सरकार के प्रस्ताव के अनुसार, बहुविवाह करने वाले पुरुषों को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इसके साथ ही आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए लोगों को भी कई सरकारी योजनाओं से बाहर रखा जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे योजनाओं में पारदर्शिता आएगी और कानून के पालन को बढ़ावा मिलेगा। असम विधानसभा ने मई 2026 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित किया था। इस कानून का उद्देश्य बहुविवाह और बाल विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगाना तथा विवाह, तलाक और उत्तराधिकार के लिए सभी नागरिकों पर समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है।

3 यूरोपीय देशों की यात्रा पर रवाना हुईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व्यापार, प्रौद्योगिकी एवं अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने तथा लोगों के बीच आपसी संबंध को मजबूत करने के उद्देश्य से रविवार को मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की यात्रा पर रवाना हो गईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यात्रा का पहला चरण सोमवार से मोल्दोवा में शुरू होगा। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की मोल्दोवा की पहली यात्रा होगी। मुर्मू मोल्दोवा की राष्ट्रपति मैया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की

वार्ता करेंगी। इसके अलावा, वह मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से भी मुलाकात करेंगी। राष्ट्रपति का मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ संवाद, भारत-मोल्दोवा व्यापार मंच को संबोधित करने और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात का भी कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि भारत और मोल्दोवा के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। राष्ट्रपति की यह यात्रा महत्वपूर्ण साबित होगी तथा द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के नए स्तर पर ले जाएगी। बयान में कहा गया कि कृषि, स्वास्थ्य सेवा, औषधि उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं।

राशन के गेहूं के बदले फिंगर!

गुडामालानी उपखंड के अरटवाव गांव में डीलर पर महिला न कथित धोखाधड़ी और धमकी देने का लगाया आरोप

चमकता राजस्थान

बालोतरा। गुडामालानी उपखंड क्षेत्र के ग्राम अरटवाव में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ढऊ) के तहत राशन वितरण में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। गांव की एक महिला ने उपखंड अधिकारी को लिखित शिकायत देकर राशन डीलर के प्रतिनिधि पर कई महीनों तक गे-हूं नहीं देने, बार-बार बायोमेट्रिक (फिंगर) लगवाने और विरोध करने पर राशन कार्ड फेंककर दुकान से भगा देने तथा भविष्य में राशन नहीं देने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायतकर्ता संगीता पत्नी पुरुखाराम विश्नोई निवासी अरटवाव के अनुसार, उनके नाम से खाद्य सुरक्षा योजना का राशन कार्ड बना हुआ है। आरोप है कि फरवरी माह का गेहूं रिकॉर्ड में वितरित दिखा दिया गया, जबकि उन्हें गेहूं नहीं मिला। इसके बाद मार्च में राशन लेने पहुंचने पर डीलर प्रतिनिधि ने फिंगर लगवाकर कहा कि गेहूं का स्टॉक नहीं है और अगले महीने एक साथ दे दिया जाएगा।

महिला का आरोप है कि अप्रैल में फिर फिंगर लगवाया गया, लेकिन इस बार भी गेहूं नहीं दिया गया और स्टॉक नहीं आने का बहाना बनाया गया। बाद में मई-जून में फिर बुलाकर फिंगर लगाने के लिए कहा गया। जब महिला ने पहले के दो माह का गेहूं देने की बात कही

तो कथित रूप से डीलर प्रतिनिधि ने कहा कि वह पहले फिंगर लगवाता है और गेहूं नहीं देता, हर व्यक्ति का दो महीने का गेहूं उसके पास छूट जाता है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब महिला ने अपने हक का राशन देने की मांग की तो डीलर प्रतिनिधि ने राशन कार्ड फेंक दिया, दुकान से चले जाने को कहा और भविष्य में उसकी दुकान पर नहीं आने की धमकी दी। महिला का कहना है कि वह गरीब परिवार से है और सरकार द्वारा मिलने वाले मुफ्त गेहूं पर ही परिवार का गुजारा चलता है। ऐसे में राशन नहीं मिलना उसके परिवार के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है।

यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल एक परिवार का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता और गरीबों के अधिकारों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। सरकार गरीबों तक मुफ्त खाद्यान्न पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि बीच में ही पात्र लोगों का राशन रोक दिया जाए या बायोमेट्रिक का दुरुपयोग किया जाए तो यह गंभीर मामला माना जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, शिकायतकर्ता को लंबित गेहूं दिलाने तथा राशन वितरण के रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है।

नोटः यह समाचार शिकायतकर्ता द्वारा उपखंड अधिकारी को दिए गए लिखित आवेदन में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या जांच का परिणाम अभी सामने नहीं आया है।

बालोतरा रसद विभाग अधिकारी से बात करने पर बताया मेरे पास शिकायत आई थी राशन डीलर से सम्बंधित मैंने जांच के लिये भेजे दिया गया है

हंजारीलाल आलोरिया(ऊड बालोतरा)

संक्षिप्त समाचार

जालोर सिरोही सांसद को सौपा ज्ञापन जीवट समस्याओ के समाधान की मांग

- **अनादरा गांव की प्रमुख मांगो का ज्ञापन सांसद जालोर सिरोही लुंबाराम जी को सौंपा गया**

चमकता राजस्थान/हीराराम सैन। भारतीय किसान संघ ग्राम इकाई अध्यक्ष रणछोड़ राम सैन द्वारा जिला अध्यक्ष मेवाराम चौधरी के नेतृत्व में गांव की विभिन्न ज्वलंत मांगों का ज्ञापन सांसद श्री लूंबारामजी को सौंपा गया। ज्ञापन में गांव की ग्राम दानी व्यवस्था समाप्त करने, फ्लोराइड वश क्षेत्र में फैल रही घुटनो , हड्डियों, पथरी सहित विभिन्न बीमारियों से निजात दिलाने हेतु सेलवाड़ा बांध से पेयजल अनादरा सहित रेवदर तहसील में सप्लाई करवाने तथा सांगारली पावटा सिंचाई परियोजना शीघ्र चालू करवाने मांग की गई।

मालवीय बने मारवाड़ उपखंड फोटोग्राफर एसोसिएशन के नए अध्यक्ष

चमकता राजस्थान (राणावास) गोविंद बामणिया। मारवाड़ उपखण्ड फोटोग्राफर एसोसिएशन का स्नेह मिलन समारोह एवं बैठक मारवाड़ जंक्शन स्थित मारवाड़ के प्रसिद्ध झंझारिया हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह जोधा ने की।बैठक में फोटोग्राफरों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही एसोसिएशन को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए गए।इस दौरान सर्वसम्मति से राजेंद्र कुमार मालवीय को फोटोग्राफर एसोसिएशन का अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना गया।कार्यक्रम में नरेंद्रसिंह केसावत, हनुमान गिरी, ओम अग्रवाल, भोपाल सिंह राजपुरोहित,महेंद्र नायकआदि ने संबोधित किया। इससे पहले नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर उम्मेदसिंह, जितेंद्र नाथ, सुरेश सैन, गणपत प्रजापत, कालूराम मालवीय, धनराज, लालू कुमार, शत्रुकिंग,सहित बड़ी संख्या में फोटोग्राफर उपस्थित रहे।

देसूरी के बाला हनुमान मंदिर अयोध्या धाम परिसर में वृक्षारोपण किया

चमकता राजस्थान/देसूरी। बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद् कार्यकर्ताओं ने सेवा सप्ताह निमित्त बजरंग दल प्रखण्ड देसूरी में श्री बाला हनुमान जी मंदिर अयोध्या धाम के परिसर में महंत गुरुदेव श्री देवीदासजी त्यागी महाराज और गुरुदेव श्री विष्णु दास जी महाराज के सानिध्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला सेवा प्रमुख पुरुषोत्तम दास, प्रखण्ड संयोजक अमृत मालवीय, जिला सहसंयोजक गजेन्द्र कुमार वैष्णव , सेवा प्रमुख मनोज व्यास, मठ मंदिर प्रमुख अभिषेक पुरी,विमल सैन, अक्षय सैन,जयेश सैन,राजेन्द्र कुमार, नवीन कुमार, आशीष जैन, मनोहर श्रीमाली सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पुण्य कार्य में विलंब न करें, यही जीवन को सुख-शांति प्रदान करता है : आचार्य कल्प 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

चमकता राजस्थान/धरियावद। धरियावद धर्म नगरी के कल्याणपुरा मार्ग स्थित महावीर वाटिका में आयोजित प्रवचन श्रृंखला में आचार्य कल्प 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ₹व्यक्ति जब यंत्र, मंत्र और तंत्र–तीनों उपायों में सफल नहीं हो पाता, तब वह षड्यंत्र का सहारा लेने लगता है।₹ उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सदैव सत्य, सदाचार और पुण्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

आचार्य श्री ने कहा कि यदि किसी कार्य में शीघ्रता करनी चाहिए तो वह पुण्य कार्य है। पुण्य कार्यों में कभी विलंब नहीं करना चाहिए, क्योंकि यही कार्य जीवन में शांति, सुख और आत्मिक संतोष का आधार बनते हैं। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समय रहते सत्कर्म करता है, उसका जीवन अधिक शांत, सार्थक और आनंदमय बनता है।

प्रवचन के दौरान संगस्थ मुनिराज महोत्सव सागर जी महाराज एवं उदित सागर जी महाराज की कर्म दहन तप के अंतर्गत 190 दिनों की उपवास साधना का शुभारंभ भी हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने दोनों मुनिराजों की कठोर तपस्या के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल साधना की मंगलकामनाएँ कीं। पूरे वातावरण में धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संचार दिखाई दिया। उक्त जानकारी समाज के सेठ दिनेश जेकणावत एवं चतुर मास कमेटी अध्यक्ष सागरमल बोहरा ने दी

239 वी रामधुन का गर्ग परिवार के द्वारा स्वागत

चमकता राजस्थान

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी श्री सिद्ध पंचमुखी बालाजी सेवा संस्थान बड़ी सादड़ी द्वारा प्रत्येक रविवार को रामधुन के क्रम में 239 वी रामधुन प्रातः 6:45 बजे आनंद धाम श्री राम द्वारा चौक से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए दुर्गा शंकर ,रवि, सुधीर गर्ग के आवास पर पहुंची। गर्ग परिवार के द्वारा अपने ईष्ट मित्रों एवं मोहल्ले वासियों की उपस्थिति में पुष्प वर्षा कर रामधुन का भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित सभी भक्तजनों ने सामूहिक रूप से विजय मंत्र एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया।पाठ के पश्चात गर्ग परिवार द्वारा भगवान की आरती की गई। आरती के पश्चात धर्म सभा का आयोजन किया गया। बालाजी संस्थान की ओर से आज की धर्म सभा में ₹ सनातन संस्कृति और हमारे संस्कार₹ इस विषय पर चर्चा की गई। संस्थान की ओर से संबोधित करते हुए अभिषेक सोनी ने कहां की बालाजी संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यों,कार्यक्रमों एवं विशेष रूप से रामधुन के पीछे एक स्पष्ट उद्देश्य है की सनातन संस्कारों के आधार पर समाज जागरण की दिशा में कार्य करना। किसी भी सभ्यता और संस्कृति की नीव उसके संस्कार होते हैं।संस्कारों के संरक्षण के साथ ही भावी पीढ़ी में संस्कारों का हस्तांतरण आवश्यक है । विजय मंत्र की महिमा के बारे में बताते हुए कहा कि विजय मंत्र एक सिद्ध मंत्र है।समर्थ गुरु रामदास के मार्गदर्शन में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्वराज की स्थापना विजय मंत्र के महत्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है। रामधुन के भक्तों के साथ रामधुन के दौरान ध्यान रखने योग्य एवं करणीय विभिन्न छोटी-छोटी बातों पर चर्चा की गई । बालाजी संस्थान की ओर से आव्हान किया गया कि प्रति रविवार को आयोजित रामधुन में सभी को अपने परिवार सहित बालकों को साथ लेकर इसमें सहभागिता करनी चाहिए। बालाजी संस्थान की ओर से गर्ग परिवार का अभिनंदन किया गया। दुर्गा शंकर गर्ग ने रामधुन में पधारे सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया अंत में सभी भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया।

शहरी विकास और संगठनिक ढांचे को सशक्त करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक हुई सम्पन्न

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड के शहरी विकास और सांगठनिक ढांचे को सशक्त करने के उद्देश्य से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस विशेष बैठक में प्रदेश भर के महापौर,नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों के साथ निकाय प्रदेश संयोजक एवं सह संयोजक उपस्थित रहे

इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सभी नगरीय जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद स्थापित किया। नेतृत्व ने प्रतिनिधियों की जमीनी समस्याओं और बहुमूल्य सुझावों को सुनते हुए आगामी सांगठनिक कार्यों व रणनीतियों पर सार्थक चर्चा की।

बैठक में प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज एवं कुंदन परिहार उपस्थित रहे।

एमबीबीएस में चयनित होकर मोनिका डूडी ने बढ़ाया परिवार व गांव का गौरव

चमकता राजस्थान / रघुनंदन पारीक श्रीनगर /अजमेर। ग्राम चिता खेड़ा निवासी श्योजी राम डूडी एवं गीता देवी की पुत्री मोनिका डूडी का एमबीबीएस में चयन होने पर पूरे गांव में हर्ष का माहौल है। मोनिका ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता प्राप्त कर परिवार के साथ-साथ पूरे गांव का नाम रोशन किया है।

उल्लेखनीय है कि मोनिका के बड़े भाई राजेश डूडी का भी वर्ष 2023 में एमबीबीएस में चयन हुआ था। एक ही परिवार से लगातार एमबीबीएस में चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

इस उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने मोनिका और उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। परिवार ने इस सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन तथा मोनिका की अथक मेहनत और समर्पण को दिया है।

भटाना सीनियर विधालय में प्रधानाचार्य की पिछले पांच साल कमी

चमकता राजस्थान

भटाना। सिरोही जिला के रेवदर के राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय भटाना में पिछले पांच साल से प्रधानचार्य की कमी वही विधालय में 17पद स्वीकृत यही विधालय में प्रथम श्रेणी 6के अध्यापक वही द्वितीय श्रेणी 1 वही तृतीय श्रेणी 4 व्ही एक अध्यापक कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद कार्यरत हे जिसमे गणित के अध्यापक का पद 1साल से खाली ० संस्कृत के अध्यापक का तलाबदा होने से पद खाली व्ही पुस्कालय अध्यक्ष का पद भी कार्यरत जो पिछले पांच साल से डेप्युटेशन पर है विधालय ों करीब 490के आसपास में विधार्थीओ के नामांकन है जिसमे गणित की पढ़ाई बाधित होरही है

यह जानकारी भटाना प्रसासक भवानी सिंह ने दी वही प्रसासक भवानी सिंह ने सरकार ० जिला प्रसासन को उग्र चेतावनी देते हुए कहा की अगर समय रहते भटाना विधालय के अध्यापको के पद नहीं भरे तो मजबूरन आंदोलन करना पड़ सकता हे जिसकी समस्त जबाबदारी जिला प्रसासन की रहेगी

» भटाना के सीनियर विधालय के जो पद खाली है वो जल्द भरने की मांग समस्त भटाना वासी करते है अगर समय रहते पद नहीं भरे गए तो जिला प्रसासन के खिलाप समस्त ग्राम वासी भटाना आंदोलन करेंगे जिसकी समस्त जबाबदारी जिला प्रसासन की रहेगी

- **भवानीसिंह देवड़ा प्रसासक ग्राम पंचायत भटाना**

सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा मुनिश्री विकसंत सागर महाराज के ससंघ का शहर में भव्य मंगल प्रवेश करवाया गया

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर समाज के रमेशचन्द्र जैन बताया कि प्रातः 8 बजे मुनिश्री गाजे बाजे के साथ पैदल हनुमान बाग से रवाना हुए जो वल्लभ चौराहा, गांधी चौक, तिगरी बाजार, काजियों का चौक होते हुए लंबी गली स्थित साढ़े 16 मंदिर पहुंचे। महामुनिश्री के ससंघ का महिलाओं द्वारा पादप्रक्षालन किया गया। इसके बाद मुनिश्री संघ ने मंदिर में विराजमान भगवान के दर्शन किए एवं शांतिधारा की।

इसके बाद विशाल शोभायात्रा श्री तेरापंथी दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची। वहां पर भी भगवान की शांति धारा मुनिश्री के मुखश्री से की गई। शोभायात्रा श्री तेरापंथी दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर मच्छियों का चौक, काठडियों का चौक होते हुए भण्डारियों की गली स्थित बीसपंथी दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची। वहां पर त्रिशलामंच, महिला मण्डल, विराग महिला मंडल की महिलाओं द्वारा मुनिश्री का दूध से पादप्रक्षालन किया गया। इसके बाद मुनिश्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे। वहां पर उन्होंने भगवान के दर्शन किए।

बीसपंथी दिगम्बर जैन मंदिर में उन्होंने एक धर्मसभा को संबोधित किया। उस समय सकल दिगम्बर जैन समाज के सभी लोग उपस्थित थे। इससे पूर्व तीन मंदिरों के अध्यक्षों द्वारा गुरू का दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया साथ ही महिलाओं द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुनिश्री का प्रथम बार नागौर पधारने पर पादप्रक्षालन की बोली लेने का सौभाग्य सुभाषकुमार रविकुमार बड़जात्या परिवार को मिला साथ ही शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य भंवरलाल निर्मल कुमार बड़जात्या परिवार को मिला। इससे पूर्व मुनिसंघ कमेटी का सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा मुनिश्री को नागौर लाने पर अभिनंदन किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929